छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

जिले का प्रथम दैनिक समाचार पत्र स्थापना वर्ष 2020

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | गौरेला पेंड्रा मरवाही, मंगलवार 10 नवंबर 2026 | वर्ष-07, अंक-132 पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

न्यूज इन शॉर्ट

बेंगलुरु 7 मर्डर केस- नंदी हिल्स से चामुंडी पहाड़ियों तक फेंके शवज्कातिल ने खून के धब्बे कैसे मिटाए



नई दिल्ली। बेंगलुरु के चर्चित हत्याकांड में पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए सभी सात शव बरामद कर लिए हैं। कैब ड्राइवर इंदुशेखर पर पत्नी, सास और अन्य रिश्तेदारों समेत सात लोगों की हत्या का आरोप है। कर्नाटक के बेंगलुरु में कैब ड्राइवर इंदुशेखर द्वारा किए गए हत्याकांड ने पूरे राज्य को को झकझोर कर रख दिया है। साइको किलर ने पारिवारिक विवाद के चलते अपनी पत्नी समेत उसके परिवार के 7 लोगों की हत्या कर दी थी। अब पुलिस को सातों शव मिल गए हैं। आरोपी पुलिस की गिरफ्त में है। इस हत्याकांड में मारे गए लोगों की पहचान आरोपी की सास रूपावती, पत्नी सुनीता, साले शिवकुमार, शंकर, सालों की दोनों पत्नियां नलिनी, दिव्या और शिवकुमार व नलिनी के बेटे पुनीत के रूप में हुई है। 200 से अधिक सीसीटीवी फुटेज की जांच की है।

खूब जले पटाखे, लेकिन दिवाली के अगले दिन कैसे कम हो गया प्रदूषण



नई दिल्ली। दिल्ली में प्रदूषण इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। दिवाली के बाद से राजधानी की आबोहवा पर काफी असर पड़ा है। इस बीच दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति की रिपोर्ट सामने आई है, जिसके मुताबिक, दिवाली के अगले दिन दिल्ली के वायु गुणवत्ता सूचकांक में मामूली सुधार दर्ज किया गया। 371 पर आ गया। हालांकि यह स्तर अभी भी 'बेहद खराब' श्रेणी में बना हुआ है। धुंध और कोहरे के कारण विजिबिलिटी भी प्रभावित हुई है।वहीं दिवाली के दिन शहर के 26 निगरानी केंद्रों में से 19 पर शोर का स्तर पिछले साल की तुलना में अधिक दर्ज किया गया। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति की एक रिपोर्ट केसूचकांक में बीते सालों की तुलना में 2।9 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

दिल्ली प्रदूषण पर सियासत तेज, संजय सिंह का मोदी सरकार पर हमला



नई दिल्ली। संजय सिंह ने कहा कि भारत में हर साल करीब 20 लाख लोगों की मौत प्रदूषण के कारण होती है, जबकि अकेले दिल्ली में 30 हजार लोगों की जान जाने का दावा है।आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने दिल्ली में दिवाली की रात प्रदूषण का स्तर बेहद खतरनाक होने का दावा करते हुए केंद्र की मोदी सरकार और बीजेपी पर निशाना साधा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 घंटे में 36 घंटे मेहनत करके भारत को दुनिया का नंबर-1 प्रदूषित देश बना दिया है।

एक्टर पवन कल्याण ने तीसरी पत्नी अन्ना कोनिडाला को दिया तलाक, बोले- हम दोस्त बने रहेंगे



`नई दिल्ली।एक्टर पवन कल्याण व पत्नी अन्ना लेझनेवा ने 13 साल बाद तलाक की घोषणा की है। एक साझा बयान में उन्होंने बताया कि वे आपसी समझ और सम्मान से अलग हुए हैं। आंध्र प्रदेश के डिप्टी चीफ मिनिस्टर और एक्टर पवन कल्याण कोनिडाला और उनकी पत्नी अन्ना कोनिडाला (अन्ना लेझनेवा) ने अलग होने की घोषणा की है, जिससे उनकी 13 साल की शादी खत्म हो गई है। कपल ने एक जॉइंट स्टेटमेंट जारी कर कंफर्म किया कि वे आपसी समझ और सम्मान के साथ अलग हो गए हैं।के साथ अलग होने का फैसला किया है। भले ही हमारी शादी खत्म हो गई है।

ब्राजील दौरे पर सीजेआई सूर्यकांत, संगठित अपराध से निपटने के तरीकों पर साझा होगा न्यायिक अनुभव

एजेंसी ➤ नई दिल्ली



भारत और ब्राजील के बीच न्यायिक संबंधों को नई दिशा देने के मकसद से भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय न्यायिक प्रतिनिधिमंडल ब्राजील की यात्रा पर है। 11 से 13 नवंबर 2026 तक चलने वाले इस कार्यक्रम में भारतीय दल ब्राजील की विभिन्न शीर्ष अदालतों के अध्यक्षों एवं वरिष्ठ न्यायाधीशों के साथ द्विपक्षीय संवाद करेगा। इन वार्ताओं में न्यायिक प्रणाली के आधुनिकीकरण के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय और संगठित अपराध की चुनौतियों से निपटने के न्यायिक दृष्टिकोण पर विशेष मंथन किया जाएगा।सर्वोच्च और श्रम न्यायालय प्रमुखों से होगी शुरुआती वार्ता

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दौरे के पहले दिन यानी 11 नवंबर को सुबह 11 बजेसूर्यकांत ब्राजील के संघीय सर्वोच्च न्यायालय के अध्यक्ष न्यायमूर्ति एडसन फाचिन से मुलाकात करेंगे। इस बैठक में दोनों देशों के शीर्ष संवैधानिक न्यायालयों के बीच संस्थागत तालमेल पर चर्चा होगी।इसके बाद दोपहर 2:30 बजे प्रतिनिधिमंडल ब्राजील के सुपीरियर लेबर कोर्ट के अध्यक्ष न्यायमूर्ति लुइज फिलिप विएरा डी मेलो फिल्हो के साथ बैठक करेगा, जिसमें श्रम कानूनों और त्वरित न्याय से जुड़े अनुभवों का आदान-प्रदान किया जाएगा।

उच्च राष्ट्रीय न्यायालय के साथ द्विपक्षीय संवाद

यात्रा के दूसरे दिन 12 नवंबर को सुबह 10 बजे भारतीय न्यायिक दल ब्राजील के उच्च राष्ट्रीय न्यायालय के अध्यक्ष न्यायमूर्ति लुइस फेलिप सलोमाओ के साथ औपचारिक बैठक करेगा। दोनों देशों की न्यायिक प्रक्रियाओं में सुधार और कानूनी चुनौतियों पर केंद्रित इस महत्वपूर्ण चर्चा का आयोजन निर्धारित किया गया है।

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में बांटी सामग्री, रक्तदान व स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

दीपावली पर जरूरतमंदों को बांटी खुशियां, हुतात्मा दिवस पर रक्तदान

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला पेंड्रा मरवाही



गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में सामाजिक सरोकार और सेवा भावना से जुड़े दो आयोजन किए गए। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) पेंड्रा की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने दीपावली पर जरूरतमंद और वंचित परिवारों को दैनिक उपयोग एवं खाद्य सामग्री वितरित कर त्योहार की खुशियां साझा कीं।

वहीं, हुतात्मा दिवस के अवसर पर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने ग्राम पंचायत धोबहर में रक्तदान, रक्त जांच एवं स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर लोगों को सेवा और मानवता का संदेश दिया।

जरूरतमंद परिवारों के साथ साझा की दीपावली की खुशियां

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यालय के निर्देशानुसार डाइट पेंड्रा की एनएसएस इकाई ने प्राचार्य नरेंद्र कुमार तिवारी के नेतृत्व में सेवा अभियान चलाया। कार्यक्रम अधिकारी विकास कुमार वर्मा और सहायक प्राध्यापक जेपी पैकरा के मार्गदर्शन में संस्थान के अधिकारी-कर्मचारियों एवं स्वयंसेवकों ने जरूरतमंद परिवारों को कंबल, मिठाई, लाई, दीया, तेल, बाती, अगरबत्ती, नारियल, बिस्किट और चॉकलेट सहित दैनिक उपयोग की सामग्री वितरित की।

जरूरतमंद परिवारों के साथ खुशियां बांटना सामाजिक उत्तरदायित्व

प्राचार्य नरेंद्र कुमार तिवारी ने कहा कि जरूरतमंद परिवारों के साथ खुशियां बांटना सामाजिक उत्तरदायित्व है। वहीं, कार्यक्रम अधिकारी विकास कुमार वर्मा ने राष्ट्रीय सेवा योजना के मूल मंत्र 'मैं नहीं, बल्कि आप' को रेखांकित करते हुए समाज के जरूरतमंद लोगों के सुख-दुख में सहभागी बनने का संदेश दिया।

हुतात्मा दिवस पर रक्तदान और स्वास्थ्य शिविर

इधर, विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल जिला गौरेला-पेंड्रा-मरवाही के तत्वावधान में ग्राम पंचायत धोबहर में रक्तदान, रक्त जांच एवं स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य समाज में सेवा, समर्पण और मानवता का भाव जागृत करने के साथ जरूरतमंदों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना था। शिविर में लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक किया गया और रक्त जांच एवं स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा भी दी गई।

हुतात्मा दिवस वीर बलिदानियों के त्याग को याद करने का अवसर

इस दौरान कार्यकर्ताओं ने कहा कि हुतात्मा दिवस वीर बलिदानियों के त्याग और समर्पण को याद करने का अवसर है। उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर संगठन समाजसेवा और जनकल्याण के कार्यों में सक्रिय है। बजरंग दल जिला संयोजक रविंद्र कैवर्त ने कहा कि रक्तदान महादान है और किसी जरूरतमंद को जीवनदान देने से बड़ा कोई सेवा कार्य नहीं हो सकता।

यूपी के 4 शहरों की हवा खराब

दिल्ली में AQI 400 पार; MP में तापमान 11°C से नीचे, उत्तराखंड के 5 जिलों में बारिश का अलर्ट



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

यूपी में दिवाली पर आतिशबाजी के बाद कई शहरों की हवा खराब हो गई है। मंगलवार को नोएडा में AQI 332, बुलंदशहर में 331, गाजियाबाद में 324 और बागपत में 305 दर्ज किया गया। इन सभी शहरों में हवा बहुत खराब श्रेणी में रही। रात का तापमान 15एष्ट तक गिर गया।दिल्ली में भी प्रदूषण गंभीर बना हुआ है। मंगलवार सुबह 6 बजे चांदनी चौक का ऋ्ह्ल 400 के पार रहा, जबकि कई इलाकों में यह 300 से ज्यादा दर्ज किया गया।

201 से 300 तक हो तो हवा खराब, 301 से 400 तक बहुत खराब और 401 से 500 तक गंभीर श्रेणी में होती है। गंभीर प्रदूषण का असर स्वस्थ लोगों पर भी पड़ सकता है।

उधर, मध्य प्रदेश में ठंड बढ़ने लगी है। सीजन में पहली बार न्यूनतम तापमान 11°C से नीचे पहुंचा। कटनी के करौंदी में पारा 10.4°C दर्ज किया गया।

पांच घंटे में दोगुना हुआ प्रदूषण

आतिशबाजी के बाद भोपाल के टीटी नगर में रात 10 बजे ऋ्ह्ल 150 था, जो सुबह 3 बजे बढ़कर 314 हो गया। यानी पांच घंटे में प्रदूषण दोगुने से ज्यादा हो गया। ईदगाह हिल्स में ऋ्ह्ल 140 से बढ़कर 263 और सिंगरौली में 122 से बढ़कर 235 पहुंच गया।सुबह 3 बजे ग्वालियर के दीनदयाल नगर में प्रदेश का सबसे ज्यादा ऋ्ह्ल 363 दर्ज किया गया। वहीं, इंदौर की छोटी ग्वालटोली में ऋ्ह्ल 338, ग्वालियर के महाराज बाड़ा में 337 और जबलपुर के मरहताल में 328 रहा।

पुलिस ने कोलकाता एयरपोर्ट पर दबोचा

रेप केस में फरार टीएमसी विधायक परेश राम दास गिरफ्तार

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

कैनिंग पश्चिम से TMC के विधायक परेश राम दास काफी समय से फरार चल रहे थे, उनके खिलाफ महिला के साथ रेप, रंगदारी, धमकी और पीड़िता के घर पर बम से हमला जैसे कई गंभीर आरोप है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के विधायक परेश राम दास को सोमवार को कोलकाता एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया। कैनिंग पश्चिम से विधायक दास लंबे समय से फरार चल रहे थे। बारुईपुर पुलिस की एक विशेष टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाया और दोपहर एयरपोर्ट से उन्हें गिरफ्तार किया। परेश राम दास मुंबई जाने के लिए फ्लाइट पकड़ने एयरपोर्ट पहुंचे थे।पुलिस के एक अधिकारी नभाषा को बताया कि 'वह काफी समय से फरार थे। हमारी टीम ने आज उन्हें हवाई अड्डे से गिरफ्तार कर लिया।'विधायक परेश राम दास की गिरफ्तारी के बाद उन्हें दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर ले



रंगदारी, रेप, धमकियां और घर पर बम से हमला

पीड़िता का आरोप है कि विधायक परेश राम दास ने 2023 के पंचायत चुनाव से पहले टिकट दिलाने के बहाने उसके पति से 4 लाख रुपये मांगे थे।

13 नवंबर तक तैयार होंगे दिल्ली के छठ घाट, बीजेपी की राजनीतिक दलों से आंदोलन टालने की अपील

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ??ने सरकार के मुख्य प्रवक्ता और विधायक अभय वर्मा के साथ लक्ष्मी नगर विधानसभा क्षेत्र में स्थित हाथी घाट (ढूझह) पर छठ पर्व की तैयारियों का निरीक्षण किया। हर्ष मल्होत्रा ने कहा है की छठ एक आस्था का एवं प्रकृति पूजन का महापर्व है, जिसमें स्वच्छता का विशेष महत्व है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने पहले ही तैयारियों में तेजी ला दी है। निरीक्षण के दौरान सांसद हर्ष मल्होत्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पूरी दिल्ली, विशेषकर पूर्वी दिल्ली में छठ घाटों की सभी तैयारियां 13 नवंबर की शाम तक हर हाल में पूरी कर ली जाएं।

दिल्ली में मुनक नहर पर बनेगा 11 किलोमीटर लंबा छठ घाट, नितिन नबीन करेंगे उद्घाटन

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने छठ के भव्य त्योहार के दौरान राजधानी में श्रद्धालुओं को बेहतरीन सुविधाएं उपलब्ध कराने की तैयारियां तेज कर दी हैं। सोमवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'जन सेवा सदन' में छठ पूजा समितियों और संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि तैयारियों के किसी भी चरण में कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए और सभी इंतजाम तय समय से काफी पहले पूरे कर लिए जाने चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का प्रयास यह है कि व्रत रखने वालों और उनके परिवारों को इस महत्वपूर्ण आस्था के त्योहार के दौरान अनुष्ठान करने के लिए एक स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक माहौल मिल सके।

काटे जाएंगे एक लाख से अधिक पेड़

अरुणाचल प्रदेश: विरोध-प्रदर्शन के बीच डैम बनाने को मंजूरी

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

अरुणाचल प्रदेश में 1000 मेगावाट की नायिंग पनबिजली परियोजना को वन मंजूरी मिली है। इससे 470 हेक्टेयर वन भूमि पर एक लाख से ज्यादा पेड़ काटे जाएंगे, जबकि 400 परिवार और 12 गांव प्रभावित होंगे।अरुणाचल प्रदेश में 11,200 मेगावाट की सियांग अपर बहुउद्देश्यी परियोजना को लेकर विरोध-प्रदर्शन जारी है। इसी बीच सियांग नदी की सहायक नदी सियोम पर प्रस्तावित एक पनबिजली परियोजना को केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय की वन सलाहकार समिति (स्नष्ट) से एक अहम मंजूरी मिल गई है।जानकारी के मुताबिक 1,000 मेगावाट



की नायिंग पनबिजली परियोजना का संचालन नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (करेगी। इस परियोजना का निर्माण अरुणाचल प्रदेश के शी-योमी और सियांग जिलों में किया जाएगा। इसके लिए वहां करीब 470 हेक्टेयर अवर्गीकृत वन भूमि का इस्तेमाल अन्य कार्यों के लिए किया जाएगा। खास बात यह है कि इसके लिए करीब एक लाख से ज्यादा पेड़ काटे जाएंगे। अवर्गीकृत वन का मतलब उस क्षेत्र से है, जिसे जंगल के रूप में दर्ज तो किया गया है, लेकिन आरक्षित या संरक्षित वन की श्रेणी में शामिल नहीं किया गया है। ऐसे वनों के स्वामित्व की स्थिति अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग होती है।

घने जंगल के कई हिस्से शामिल

स्नष्ट की 23 अक्टूबर को संपन्न बैठक के कार्यवृत्त के मुताबिक, नायिंग पनबिजली परियोजना का प्रस्तावित निर्माण स्थल भी उच्च संरक्षण मूल्य वाले क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जिसका मतलब यह है कि परियोजना के लिए जिस वन भूमि का उपयोग बदलने की जरूरत है, उसमें बहुत घने जंगल के कई हिस्से शामिल हैं।इसी बैठक के दौरान समिति ने वन भूमि के उपयोग में बदलाव के लिए मंजूरी देने की सिफारिश की थी।

पैतृक भूमि, नदी प्रणालियों, आजीविका पर असर

यह घटनाक्रम सियांग अपर बहुउद्देश्यी परियोजना (स्नष्ट) को लेकर बढ़ते तनाव के बीच सामने आया है। क्षेत्र के मूल निवासी समुदायों का दावा है कि इस परियोजना के निर्माण से उनकी पैतृक भूमि, नदी प्रणालियों, आजीविका, सांस्कृतिक विरासत और क्षेत्रीय अधिकारों पर असर पड़ेगा।के 3,000 से अधिक जवानों को तैनात किया गया

न्यूज इन शॉर्ट



वुमन अंडर-23 टी-20 टूर्नामेंट के लिए छत्तीसगढ़ की टीम घोषित

रायपुर। महिला अंडर-23 टी-20 ट्रॉफी 2026-27 के लिए छत्तीसगढ़ की टीम घोषित कर दी गई है। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ की चयन समिति ने 16 सदस्यीय टीम चुनी है। कृति गुप्ता को टीम की कप्तानी सौंपी गई है। टीम में रायपुर की सबसे ज्यादा 6 खिलाड़ियों को जगह मिली है। टूर्नामेंट 14 नवंबर से केरल के तिरुवनंतपुरम में खेला जाएगा।टीम में आंशी अग्रवाल, चांद चेलक, ख्याति साहू, किरण वर्मा, सेजल वर्मा, कुमुद साहू, मानश्री मौर्य, यति शर्मा, राधिका नेताम, साक्षी शुक्ला, समीरा यादव, कृति गुप्ता, शिविका अग्रवाल, श्रेया श्रीवास, मिताली शर्मा और योगिता लहरे शामिल हैं। चांद चेलक और सेजल वर्मा को विकेटकीपर के रूप में चुना गया है।

छत्तीसगढ़ की टीम टूर्नामेंट में अपना पहला मुकाबला 14 नवंबर को पुडुचेरी के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद 15 नवंबर को उत्तराखंड, 17 नवंबर को विदर्भ, 19 नवंबर को हरियाणा और 21 नवंबर को चंडीगढ़ से मुकाबला होगा। सभी मैच केरल के तिरुवनंतपुरम में खेले जाएंगे।

खड़ी दो बसों में लगी आग,दोनों जलकर खाक-48 लाख की थीं बसें, बालोद में संचालक ने जताई साजिश की आशंका

बालोद ।बालोद जिले के अर्जुन्दा थाना क्षेत्र के ग्राम मटिया (अ) में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात बालाजी ट्रेवल्स की दो बसों में आग लग गई। दोनों बसें पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। आग रात करीब 1 से 2 बजे के बीच लगी। बसें ड्राइवर नारद चौधरी के घर के सामने खड़ी थीं। आग बसों के पिछले हिस्से से शुरू हुई और तेजी से फैल गई। पास में खड़ी एक अन्य बस को समय रहते हटा लिया गया। बस संचालक दिनेश राठी ने 45 से 50 लाख रुपए के नुकसान की बात कही है। पुलिस को शुरुआती जांच में आग लगाए जाने की आशंका है। संचालक ने भी घटना के पीछे साजिश की आशंका जताई है।आग में जली बसों में एक 50 सीटर टूरिस्ट बस थी। इसे दिनेश राठी ने अप्रैल 2025 में 36 लाख रुपए में खरीदा था। इस बस की हर महीने 70 हजार रुपए की किस्त जमा करनी थी।दूसरी बस 40 सीटर स्लीपर थी, जिसे वर्ष 2019 में 12 लाख रुपए में खरीदा गया था। दोनों बसों की कुल खरीद कीमत 48 लाख रुपए थी।बस संचालक दिनेश राठी ने बताया कि जगह की कमी के कारण वे अपनी बसें ग्राम मटिया (अ) में ड्राइवर नारद चौधरी के घर के सामने खड़ी करते थे। उनका पूरा परिवार बस व्यवसाय पर निर्भर है।उन्होंने बताया कि पिता पैरालिसिस से पीड़ित हैं और बड़े भाई की सड़क हादसे में मौत हो चुकी है। बुजुर्ग माता-पिता के साथ भाई और अपने परिवार की जिम्मेदारी भी उन्हीं पर है। बसें ही परिवार की रोजी-रोटी का सहारा थीं।दिनेश राठी ने कहा कि आखिर किससे क्या दुश्मनी थी, जो आजीविका के साधन को आग के हवाले कर दिया गया। अर्जुन्दा थाना प्रभारी नरेश देशमुख ने बताया कि खड़ी बसों में आग लगी है। शुरुआती जांच में आग लगाए जाने की आशंका है। मामले में अपराध दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल जांच जारी है।

तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवार को कुचला, मौके पर दर्दनाक मौत

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। कटघोरा-अंबिकापुर मार्ग पर तेज रफ्तार ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, कटघोरा-अंबिकापुर मुख्य मार्ग पर तानाखार से आगे स्थित भालू मोड़ के पास हुआ। यहां पोड़ी उपरोड़ा की ओर से कटघोरा जा रहे बाइक सवार युवक को तेज रफ्तार ट्रेलर ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक को गंभीर चोटें आईं और उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रेलर चालक ने वाहन नहीं रोका और मौके से फरार हो गया।

मेडिकल- पीजी में दाखिले के नाम पर 28 लाख ठग

रेडियोलॉजी में एमडी की सीट दिलाने डॉक्टर-दंपती से लिए पैसे;कोलकाता की संस्था के संचालक पर केस

एक सत बुलेटिन ➤ बिलासपुर



बिलासपुर में मेडिकल पीजी में दाखिला दिलाने के नाम पर डॉक्टर दंपती से 28 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। कोलकाता की इनफिनिटी संस्था के संचालक निर्मल्या नाग ने डॉक्टर के बेटे को नेपाल के मेडिकल कॉलेज में एमडी रेडियोलॉजी की सीट दिलाने का दावा किया था। इसके लिए उसने 28 लाख रुपए लिए।संस्था की ओर से प्रवेश की पुष्टि करते हुए प्रोविजनल एडमिशन लेटर भी भेजा गया, लेकिन बेटे का दाखिला नहीं हुआ। डॉक्टर दंपती ने रकम वापस मांगी तो आरोपी ने किश्तों में पैसे लौटाने का आश्वासन दिया। इस दौरान कई चेक बाउंस हो गए। करीब 5 साल में आरोपी ने सिर्फ 13.75 लाख रुपए ही लौटाए।डॉक्टर दंपती की शिकायत पर सिविल लाइन पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है।

5 नवंबर को थाने में दर्ज कराई शिकायत

टीआई रविशंकर तिवारी ने बताया कि समाधान नर्सिंग होम की संचालक डॉ. गौरी दत्त (72) ने 5 नवंबर को सिविल लाइन थाने में शिकायत दर्ज कराई।उन्होंने बताया कि उनका बेटा स्नेहाशीष दत्त महाराष्ट्र के अमरावती स्थित पंजाबराव देशमुख मेडिकल कॉलेज से 2019-20 में एमबीबीएस पास करने के बाद रेडियोलॉजी में एमडी करना चाहता था।

कोलकाता में हुई थी संस्था के संचालक से मुलाकात

इसी सिलसिले में डॉक्टर परिवार कोलकाता गया था। वहां उनकी मुलाकात इनफिनिटी एकेडमी के संचालक निर्मल्या नाग से हुई। उसने कई मेडिकल कॉलेजों से संपर्क होने और पैकेज में एमडी में दाखिला दिलाने का दावा किया था।

1.40 करोड़ का पैकेज बताया, नेपाल में सीट मिलने का भेजा पत्र

शिकायत के मुताबिक, 21 फरवरी 2020 को निर्मल्या नाग ने पत्र भेजकर स्नेहाशीष का नेपाल में एमडी रेडियोलॉजी के सत्र 2020-21 में दाखिला कन्फर्म होने की जानकारी दी। तीन साल के पूरे कोर्स का पैकेज 1.40 करोड़ रुपए बताया गया था।शुरुआती रकम के तौर पर 5 लाख रुपए चेक से जमा कराए गए। इसी दिन संस्था की ओर से बैंक खाते का विवरण और एक अन्य एग्रीमेंट भी दिया गया। इसमें 25 लाख रुपए डेवलपमेंट एजुकेशन फीस के रूप में जमा करने का जिक्र था।इसके बाद 14 अगस्त 2020 को नेपाल के इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिन, काठमांडू से संबंधित प्रोविजनल एडमिशन लेटर भी भेजा गया।

दाखिला निरस्त होने की बात कहकर रकम लौटाने का वादा

डॉ. गौरी दत्त ने पुलिस को बताया कि 18 अगस्त 2020 को निर्मल्या नाग ने पत्र भेजकर दावा किया कि उनके बेटे ने खुद दाखिला निरस्त कराने का फैसला लिया है। इसके बाद 2 लाख रुपए काटकर बाकी 26 लाख रुपए दिसंबर 2020 तक लौटाने का आश्वासन दिया गया।।द में जनवरी और मई 2021 में भी पत्र भेजकर 90 दिनों के भीतर रकम लौटाने की बात कही गई। इस दौरान आरोपी ने 1.25 लाख रुपए का चेक दिया, लेकिन बाकी रकम नहीं लौटाई।

आरोपी ने नवंबर-दिसंबर 2021 में कई चेक जारी किए। इन्हें बिलासपुर के अलग-अलग बैंकों में जमा किया गया, लेकिन खाते में पर्याप्त राशि नहीं होने के कारण सभी चेक बाउंस हो गए।

39 किश्तों में 13.75 लाख लौटाए, फिर भुगतान बंद

शिकायतकर्ता के मुताबिक, 16 अगस्त 2021 से 6 दिसंबर 2025 के बीच आरोपी ने 39 किश्तों में कुल 13.75 लाख रुपए लौटाए। हालांकि, 8 अप्रैल 2024 के बाद भुगतान बंद कर दिया।

बाकी रकम के लिए दिए गए चेक बैंक में जमा किए गए, लेकिन वे बाउंस हो गए। इसके बाद डॉक्टर दंपती ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

कोलकाता में हुआ था लेनदेन, जांच के लिए भेजी केस डायरी

पुलिस के अनुसार, आरोपी निर्मल्या नाग का कार्यालय कोलकाता के कालीदास पट्टिटुंडी लेन, हाजरा क्रॉसिंग के पास स्थित इनफिनिटी हाउस में था।

सोमवती अमावस्या पर महिलाओं ने की विधि-विधान से पूजा-अर्चना, परिवार की सुख-समृद्धि की कामना

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी



जिले के ग्राम पंचायत बिछिया टोला अंतर्गत पारा भैंसा ताल में सोमवती अमावस्या के पावन अवसर पर महिलाओं में विशेष धार्मिक उत्साह और श्रद्धा देखने को मिली। इस अवसर पर महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और अपने परिवार की सुख-समृद्धि, पति की लंबी आयु तथा घर-परिवार में सुख-शांति की मंगलकामना की।सुबह से ही महिलाएं पूजा की तैयारियों में जुटीं और पूरे श्रद्धा भाव से धार्मिक परंपराओं का निर्वहन किया। पूजा-अर्चना के दौरान क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहा।सोमवती अमावस्या को हिंदू धर्म में विशेष महत्व दिया जाता है। इस दिन महिलाओं द्वारा व्रत, पूजा-पाठ और धार्मिक अनुष्ठान करने की परंपरा है।आस्था, विश्वास और परंपरा के साथ महिलाओं ने मनाया सोमवती अमावस्या का पावन पर्व।

सोमवती अमावस्या पर महिलाओं ने की पीपल की पूजा



परिक्रमा कर सुनी सावित्री-सत्यवान की कथा, पति की लंबी उम्र और परिवार की खुशहाली मांगी

एक सत बुलेटिन ➤ मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर

सोमवती अमावस्या पर महिलाओं ने की पीपल की पूजा, पति की लंबी उम्र और परिवार की खुशहाली मांगी एमसीबी जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ में सोमवार को सोमवती अमावस्या पर महिलाओं ने पीपल वृक्ष की पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने पेड़ की परिक्रमा कर पति की लंबी उम्र और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। सुबह से ही शहर के धार्मिक स्थलों और पीपल के पेड़ों के पास श्रद्धालुओं की भीड़ रही। महिलाओं ने पीपल के पेड़ पर जल चढ़ाया और कच्चे सूत से उसकी परिक्रमा की। इस दौरान सावित्री-सत्यवान की कथा भी सुनी। धार्मिक मान्यता के अनुसार, सावित्री ने अपने संकल्प और तपस्या से यमराज से पति सत्यवान के प्राण वापस प्राप्त किए थे। इसी कथा को याद करते हुए महिलाएं पति की लंबी उम्र और दांपत्य जीवन की खुशहाली के लिए पूजा करती हैं।

सोमवार को अमावस्या पड़ने पर बनता है संयोग

हिंदू मान्यता के अनुसार, जब अमावस्या सोमवार के दिन पड़ती है, तो उसे सोमवती अमावस्या कहा जाता है। सोमवार भगवान शिव को समर्पित माना जाता है। वहीं, पीपल के पेड़ को भी पूजनीय माना गया है।

डीपीएस के 250 से अधिक पूर्व विद्यार्थी रीयूनियन में जुटे:शिक्षकों का सम्मान किया, एलुमिनाई नेटवर्क की नींव रखी

एक सत बुलेटिन ➤ बिलासपुर



बिलासपुर में डीपीएस के 2009 से 2020 बैच तक के 250 से अधिक पूर्व विद्यार्थी एलुमिनाई रीयूनियन में जुटे। उन्होंने पुरानी यादें साझा कीं और शिक्षकों का सम्मान किया। कार्यक्रम में वर्षों बाद पुराने सहपाठी और शिक्षक एक साथ आए। इस दौरान एलुमिनाई नेटवर्क की शुरुआत की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रवीण शुक्ला थे। विशिष्ट अतिथि और प्राचार्य जसपाल मठारू मौजूद रहे। पूर्व विद्यार्थियों, डीपीएस परिवार, हिमांशु द्विवेदी और सात्विक सिन्धु ने भी विचार रखे। अतिथियों ने विद्यार्थियों के जीवन में विद्यालय, संस्कार और मित्रता की भूमिका पर बात की। पूर्व विद्यार्थियों ने उन शिक्षकों के प्रति आभार जताया, जिन्होंने उनके जीवन को दिशा दी।

कार्यक्रम में सूफी और बॉलीवुड संगीत, स्काई लैंटर्न, आतिशबाजी और डीजे का आयोजन हुआ। अतिथियों ने कहा कि पढ़ाई और करियर के लिए विद्यार्थी अलग-अलग शहरों और देशों में चले जाते हैं। इससे विद्यालय से मिला जुड़ाव कम हो सकता है।उन्होंने कहा कि एलुमिनाई रीयूनियन इस दूरी को कम करने और विद्यालय से जुड़े रिश्तों, संस्कारों और पहचान को बनाए रखने का जरिया है।अतिथियों ने कहा कि विद्यालय के कई पूर्व विद्यार्थी आज डॉक्टर, इंजीनियर, चार्टर्ड अकाउंटेंट, कारोबारी और शिक्षक के रूप में काम कर रहे हैं। ऐसे सभी लोगों के एक मंच पर आने से उन्हें अपने अनुभव साझा करने और एक-दूसरे की मदद करने का मौका मिलेगा।वे नए विद्यार्थियों को करियर चुनने में मार्गदर्शन भी दे सकेंगे। वहीं, शिक्षकों को भी यह जानने का मौका मिलेगा कि उनके पढ़ाए विद्यार्थी आज किस मुकाम पर हैं।

आगे भी जारी रहेगा संपर्क

इस आयोजन के जरिए पूर्व विद्यार्थियों का एक नेटवर्क बनाने की शुरुआत की गई है। इसके माध्यम से वरिष्ठ विद्यार्थी नए स्नातकों और मौजूदा विद्यार्थियों को करियर से जुड़ी सलाह और मार्गदर्शन दे सकेंगे। साथ ही व्यवसाय, सामाजिक कार्यों और विद्यालय के विकास में भी एक-दूसरे का सहयोग कर सकेंगे।कार्यक्रम में दिव्यांश झा, अंकित अग्रवाल, गौरांग, राहुल अग्रवाल, किशोर, कबीर खुशालानी, डॉ. सोनिया अब्राहम और अंकुश अग्रवाल सहित अन्य लोग शामिल हुए।

आयुर्वेद पीजी में प्रवेश के लिए सिर्फ 2 दिन बचे

रायपुर। प्रदेश के शासकीय और निजी आयुर्वेद कॉलेजों में पीजी कोर्स में प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों के पास अब सिर्फ दो दिन का समय बचा है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन और कॉलेज-विषय का विकल्प भरने की प्रक्रिया 11 नवंबर को रात 11:59 बजे तक चलेगी। इसके बाद आवेदन और चॉइस फिलिंग का मौका नहीं मिलेगा। आयुर्वेद संचालनालय ने आयुर्वेद वाचस्पति (एमडी आयुर्वेद) और आयुर्वेद धन्वंतरि पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए शेड्यूल जारी किया है। प्रवेश प्रक्रिया में राज्य कोटे के साथ निजी आयुर्वेद कॉलेजों की ऑल इंडिया कोटे की सीटें भी शामिल हैं। इसके लिए अखिल भारतीय आयुष स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा (एआईएपीजीईटी)-2026 में शामिल हुए अभ्यर्थी ही पात्र होंगे। अभ्यर्थी ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के दौरान अपनी पसंद के कॉलेज और विषय का चयन कर सकते हैं। राज्य कोटे की सीटों के अलावा निजी कॉलेजों की ऑल इंडिया कोटे की सीटों के लिए भी विकल्प भरने का अवसर है। इसलिए अभ्यर्थियों को चॉइस फिलिंग करते समय उपलब्ध कॉलेज और विषयों को ध्यान में रखकर प्राथमिकता तय करनी होगी।ऑनलाइन पंजीयन और कॉलेज-विषय का विकल्प भरने की प्रक्रिया की अंतिम तारीख 11 नवंबर है। अभ्यर्थियों को रात 11:59 बजे तक आवेदन पूरा करना होगा। प्रवेश प्रक्रिया, पंजीयन और चॉइस फिलिंग से जुड़े विस्तृत निर्देश आयुर्वेद संचालनालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

5,334 की आबादी वाले नगर पंचायत क्षेत्र में अस्पताल पूरी तरह बंद मिलने से व्यवस्था कटघरे में, बीमारी त्योहार देखकर नहीं आती, फिर स्वास्थ्य सेवाएं क्यों हो गईं नदारद

त्योहार की आड़ में स्वास्थ्य व्यवस्था पर ताला! क्या नई लेदरी के नागरिकों की जिंदगी की कोई कीमत नहीं? आपातकाल में मरीजों को भगवान भरोसे छोड़ने का अधिकार किसने दिया

महेंद्र शुक्ला ➤ मनेन्द्रगढ़/एमसीबी



त्योहार मनाइए, खुशियां बांटिए, परिवार के साथ समय बिताइए, इसमें किसी को कोई आपत्ति नहीं हो सकती। लेकिन एक सवाल उन जिम्मेदारों से जरूर पूछा जाना चाहिए, जिनके कंधों पर आम नागरिकों की जिंदगी और स्वास्थ्य सुरक्षा की जिम्मेदारी है। क्या बीमारी भी अब सरकारी छुट्टियों और त्योहारों का कैलेंडर देखकर आती है? क्या दुर्घटनाएं त्योहारों के दिन नहीं होतीं? क्या मरीजों को अपनी तकलीफ कुछ दिनों के लिए टाल देने का आदेश जारी कर दिया गया है?

नगर पंचायत नई लेदरी में अस्पताल का पूरी तरह बंद मिलना केवल एक संस्थान के दरवाजे पर ताला लगा होने का मामला नहीं, बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था की संवेदनशीलता और जवाबदेही पर गंभीर सवालिया निशान है। लगभग 5,334 की आबादी वाले नगर में यदि जरूरत के समय स्वास्थ्य सुविधा ही उपलब्ध न हो, तो आम नागरिक आखिर किस भरोसे जिए? जरा उस परिवार की स्थिति की कल्पना कीजिए, जिसके घर में अचानक कोई बुजुर्ग सांस लेने में तकलीफ से तड़पने लगे। किसी बच्चे को तेज बुखार आ जाए, किसी गर्भवती महिला की हालत बिगड़ जाए या कोई व्यक्ति दुर्घटना में घायल होकर तत्काल उपचार की मांग करे। ऐसे समय पर जब परिजन उम्मीद लेकर अस्पताल पहुंचें और वहां ताला लटका मिले, तो उनकी मनोदशा क्या होगी? वे किस दरवाजे पर दस्तक देंगे? किससे मदद मांगेंगे? और सबसे बड़ा सवाल, उस वक्त जिम्मेदार कहां होंगे?

दुक्या नागरिकों को बीमारी के साथ-साथ अस्पताल की छुट्टी का भी हिसाब रखकर चलना पड़ेगा?

स्वास्थ्य सेवा कोई ऐसी सामान्य कार्यालयीन सुविधा नहीं है, जिसे कर्मचारी की अनुपस्थिति या त्योहार के नाम पर पूरी तरह ठप कर दिया जाए। यह सीधे इंसान की जिंदगी से जुड़ी व्यवस्था है। डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मियों को भी त्योहार मनाने, परिवार के साथ रहने और अवकाश लेने का पूरा अधिकार है, लेकिन इसका मतलब यह कतई नहीं कि पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था को ही भगवान भरोसे छोड़ दिया जाए। रोस्टर बनाया जा सकता है, वैकल्पिक कर्मचारी तैनात किए जा सकते हैं, आपातकालीन संपर्क नंबर जारी किए जा सकते हैं और मरीजों के लिए रेफरल व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकती है। फिर नई लेदरी में ऐसी व्यवस्था क्यों नजर नहीं आई?अस्पताल का भवन बनाना उपलब्धि हो सकती है, लेकिन जरूरत के वक्त उसका बंद मिलना व्यवस्था की विफलता का प्रतीक है। सरकारी रिकॉर्ड में स्वास्थ्य सुविधा का होना और जमीन पर नागरिकों को उसका लाभ मिलना, दोनों अलग-अलग बातें हैं। जनता को कागजों पर संचालित व्यवस्था नहीं, बल्कि संकट के समय काम आने वाली स्वास्थ्य सेवा चाहिए।

विडंबना देखिए, बीमारी किसी अधिकारी की अनुमति लेकर नहीं आती। दुर्घटना किसी सरकारी आदेश की प्रतीक्षा नहीं करती। किसी मरीज की सांसें इसलिए नहीं रुकतीं कि आज त्योहार है और अस्पताल में छुट्टी है। लेकिन यदि अस्पताल के दरवाजे बंद हैं, तो मरीज के परिजनों के सामने बेबसी के अलावा क्या बचता है? यहां सवाल सिर्फ अस्पताल बंद होने का नहीं, बल्कि उस सोच का है जिसमें नागरिकों की स्वास्थ्य जरूरतों से पहले व्यवस्था की सुविधा दिखाई देती है।

जिम्मेदारों से सीधे सवाल

1. क्या त्योहार के दौरान नई लेदरी के अस्पताल को पूरी तरह बंद रखने का कोई अधिकृत आदेश जारी किया गया था?
2. क्या अवकाश के दौरान आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं के लिए किसी डॉक्टर या स्वास्थ्यकर्मी की ड्यूटी निर्धारित की गई थी?
3. यदि वैकल्पिक व्यवस्था थी, तो अस्पताल परिसर में उसका सूचना बोर्ड और संपर्क नंबर क्यों उपलब्ध नहीं था?
4. अचानक तबीयत बिगड़ने वाले मरीजों को तत्काल उपचार कहां मिलेगा, इसकी जानकारी नागरिकों को किसने दी?
5. यदि समय पर चिकित्सा सहायता नहीं मिलने से किसी मरीज की हालत बिगड़ती है या कोई अनहोनी होती है, तो जवाबदेही किसकी होगी?

न्यूज इन शॉर्ट

अभिमंत्रित जल बताकर पिलाया नशीला पानी, महिला से दुष्कर्म के बाद 6 लाख की ठगी

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में झाड़-फूंक और पूजा-पाठ के नाम पर महिला के यौन शोषण और ठगी का मामला सामने आया है। आरोप है कि शादी में आ रही बाधाएं दूर करने और बीमारी ठीक करने का झांसा देकर महिला को नींद की दवा मिला पानी पिलाया गया और उसके साथ दुष्कर्म किया गया। इसके बाद बिजनेस में नौकरी दिलाने का लालच देकर उससे करीब 6 लाख रुपये भी वसूले गए। मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी और उसकी महिला सहयोगी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।पुलिस के मुताबिक, लैलूंगा निवासी 40 वर्षीय महिला ने 5 नवंबर 2026 को रायगढ़ कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। मामला घरघोड़ा थाना क्षेत्र का होने के कारण जांच वहां स्थानांतरित की गई। पीड़िता ने बताया कि मार्च 2026 में एक परिचित महिला के माध्यम से उसकी मुलाकात चंद्र कुमार जायसवाल से हुई थी। आरोपी ने हाथ देखकर भविष्य बताने और झाड़-फूंक से बीमारी ठीक करने का दावा किया था।आरोप है कि 8 मार्च को पूजा-पाठ के बहाने महिला को घरघोड़ा स्थित किराये के मकान में बुलाया गया। वहां गायत्री मानिकपुरी भी मौजूद थी। पूजा के दौरान चंद्र कुमार ने अभिमंत्रित जल बताकर महिला को नींद की दवा मिला पानी पिला दिया। इसके बाद महिला बेहोश हो गई और आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया।पीड़िता के अनुसार, आरोपियों ने पूजा-पाठ और हवन के नाम पर भी पैसे लिए। बाद में वेस्टिज कंपनी में बिजनेस के जरिए काम दिलाने का झांसा देकर करीब 6 लाख रुपये वसूल लिए। शिकायत करने की बात कहने पर उसे डराया-धमकाया गया। पुलिस ने जांच के बाद चंद्र कुमार जायसवाल (45) और गायत्री मानिकपुरी उर्फ गायत्री महंत (39) को 8 नवंबर को गिरफ्तार किया। दोनों के खिलाफ बीएनएस की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

देखभाल करने निकले ग्रामीण की आजन नदी में डूबकर मौत, 6 घंटे बाद मिला शव

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में आजन नदी के दही घाट पर एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। नदी पार करते समय डूबने से 50 वर्षीय ग्रामीण की मौत हो गई। मृतक की पहचान पन्नालाल यादव के रूप में हुई है, जो ग्राम पंचायत बुढ़ापारा के निवासी थे। सोमवार सुबह अपने मवेशियों की देखभाल करने के लिए नदी पार कर रहे थे। घाट पर डोंगा नहीं मिलने के कारण उन्होंने तैरकर नदी पार करने का प्रयास किया, लेकिन बीच धारा में पहुंचने के बाद डूब गए। करीब छह घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद शाम 4 बजे उनका शव बरामद किया गया। जानकारी के अनुसार, पन्नालाल यादव का घर आजन नदी के दोनों किनारों से जुड़ा हुआ था। वे नदी के एक किनारे पर रहते थे, जबकि उनके मवेशी दूसरी तरफ थे। मवेशियों की देखभाल के लिए उन्हें रोजाना दही घाट से नदी पार करनी पड़ती थी। इसके लिए वे कभी डोंगा का इस्तेमाल करते थे तो कभी तैरकर नदी पार कर लेते थे।सोमवार सुबह करीब 10 बजे भी पन्नालाल अपने मवेशियों की देखभाल के लिए घर से निकले थे। जब वे दही घाट पहुंचे तो वहां डोंगा उपलब्ध नहीं था। इसके बाद उन्होंने तैरकर नदी पार करने का फैसला किया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पन्नालाल नदी में उतरकर तैरते हुए आगे बढ़े और बीच धारा तक पहुंच गए। इसी दौरान वे अचानक पानी में डूबने लगे और कुछ ही देर में दिखाई देना बंद हो गए। घटना के समय आसपास मौजूद लोगों को शुरुआत में लगा कि पन्नालाल तैरकर नदी पार कर लेंगे और मवेशियों को चराने के बाद वापस लौट आएंगे। लेकिन काफी देर तक जब वे नजर नहीं आए तो ग्रामीणों को अनहोनी की आशंका हुई। इसके बाद स्थानीय लोगों ने नदी में उनकी तलाश शुरू की और कोरबी चौकी पुलिस को घटना की सूचना दी।सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से नदी में तलाश अभियान शुरू किया गया। करीब छह घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सोमवार शाम 4 बजे पन्नालाल यादव का शव बरामद किया गया।इस हादसे के बाद गांव में शोक का माहौल है। रोजमर्रा के काम के लिए नदी पार करने निकले ग्रामीण की इस तरह मौत होने से परिजनों और स्थानीय लोगों में दुख है। घटना ने एक बार फिर नदी पार करने के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों और सुरक्षित आवागमन की जरूरत को सामने ला दिया है।

कार तेज रफ्तार में रही होगी और अनियंत्रित होकर पिलर से टकराई होगी

महानदी में गिरी कार, परिवार के 4 लोगों की मौत:दिवाली मनाने रायपुर से गरियाबंद लौट रहे थे; मृतकों में पति-पत्नी और 2 बच्चे

एक सत बुलेटिन ➤ गरियाबंद

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में दीपावली की देर रात भीषण सड़क हादसा हो गया। राजिम के टीला एनीकट में कार बेकाबू होकर महानदी में गिर गई।।दसे में कार सवार पत्रकार पति-पत्नी और उनके 2 बच्चों की मौत हो गई। मृतकों में 21 साल की बेटी और 19 साल का बेटा शामिल हैं। परिवार फिंगेश्वर थाना क्षेत्र के पसौद गांव का रहने वाला था।जानकारी के मुताबिक सभी ने रायपुर में दिवाली मनाई। इसके बाद त्योहार मनाने अपने गांव लौट रहे थे। हादसा रात 11 बजे से 2 बजे के बीच हुआ है।हादसे वाली जगह से गांव की दूरी महज 3 किलोमीटर थी। वहां पहुंचने में करीब 10 मिनट का समय लगता। घटना गोबरा नवापारा थाना



क्षेत्र की है।जानकारी के मुताबिक, परिवार दीपावली मनाने रायपुर से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान देर रात राजिम के टीला एनीकट के पास कार नदी में गिर गई। हालांकि, हादसा कैसे हुआ इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है। घटना के बाद पासौद गांव में मातम पसरा हुआ है।हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान शीतल साहू, उनकी पत्नी भारती साहू, बेटे विकास साहू (19) और बेटी पूर्वा साहू (21) के रूप में हुई है। कार पर मीडिया एग्जीक्यूटिव लिखा हुआ था। शीतल साहू पत्रकार थे।

गांव से 3 किलोमीटर पहले हुआ हादसा

शीतल साहू की घरवालों से आखिरी बार रात करीब 11 बजे बात हुई थी। 2 बजे के बाद जब वे परिवार के साथ घर नहीं पहुंचा तो, परिजन खोजने निकले। इस दौरान एनीकट के 4 पिलर टूटे हुए मिले और कार नदी में मिली। पूरी घटना 11 बजे से 2 बजे के बीच की बताई जा रही है।

रायपुर में रहकर पत्रकारिता से जुड़े थे शीतल

परिजनों ने बताया कि शीतल पत्रकार था, जो रायपुर में परिवार के साथ रहकर काम करते थे। सूचना मिलने पर चंपारण पुलिस ने बड़ी मुश्किल से कार में फंसे 4 लोगों के शव को बाहर निकाला। शीतल के गले में भारत 1 न्यूज नाम का ढृष्ठ कार्ड मिला था। कैसे हुआ हादसा ?हादसा टीला एनीकट में हुआ है। 4 से 5 पिलर टूटा है तो अंदाजा लगाया जा रहा है कि कार तेज रफ्तार में रही होगी और अनियंत्रित होकर पिलर से टकराई होगी।

दीपावली पर मुक्तिधाम के पास सजा था जुए का फड़



एक सत बुलेटिन ➤ बिलासपुर

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में दीपावली के दिन जुआ खेल रहे 15 लोगों को सकरी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी गिरधौरान गांव के रहने वाले हैं। पुलिस ने मुक्तिधाम के पास चल रहे जुए के फड़ पर छापेमारी कर आरोपियों को पकड़ा। मौके से 14 हजार रुपये नकद और ताश की गड्डी जब्त की गई है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार, सकरी थाना प्रभारी संजय शिंदे को सूचना मिली थी कि गिरधौरान गांव के मुक्तिधाम के पास कुछ लोग एकत्र होकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर दबिश देने की तैयारी की। इसके बाद पुलिस ने बताए गए स्थान पर छापा मारकर जुआ खेल रहे 15 लोगों को पकड़ लिया। पुलिस कार्रवाई के दौरान जुए के फड़ से 14 हजार रुपये नकद और ताश की गड्डी बरामद की गई। पकड़े गए सभी आरोपी गिरधौरान गांव के निवासी बताए गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में अशोक साहू (52), शिवा विश्वकर्मा (23), रामकुमार यादव (30), मानसिंह (30), बुचनू यादव (42), दिलहरण सिंगरौल (39), शिवकुमार सारथी (30), तीजराम साहू (40), जितेन्द्र जायसवाल (21), विरेन्द्र सिंगरौल (20), शीतल सिंगरौल (28), छोटेलाल खुसरो (30), रोहित सिंगरौल (30), भुपेन्द्र कौशिक (28) और धर्मेंद्र रजक (26) शामिल हैं। जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत कार्रवाई पुलिस ने पकड़े गए सभी 15 आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3(2) के तहत कार्रवाई की है। दीपावली के दिन मुक्तिधाम के पास जुआ खेलने की सूचना पर सकरी पुलिस ने यह कार्रवाई की। पुलिस ने मौके से बरामद नकदी और ताश की गड्डी को जब्त कर लिया है।

सूरजपुर में हाथियों का खूनी हमला, एक ही रात में दो ग्रामीणों की मौत



एक सत बुलेटिन ➤ सूरजपुर

छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में हाथियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। एक ही रात में दो अलग-अलग घटनाओं में हाथियों के हमले से दो ग्रामीणों की मौत हो गई। इस घटना के बाद आसपास के गांवों में डर का माहौल है। हाथियों की बढ़ती आवाजाही से ग्रामीणों में अपनी जान और फसलों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

जानकारी के अनुसार, हाथी के हमले की पहली घटना प्रतापपुर क्षेत्र के सकलपुर में हुई। यहां कबरा कान वाले हाथी ने एक ग्रामीण पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। वहीं दूसरी घटना सूरजपुर वन परिक्षेत्र के सलका बीट अंतर्गत सोनपुर में सामने आई। यहां भी एक हाथी ने ग्रामीण को अपना शिकार बना लिया।बताया गया कि ग्राम पंचायत सोनपुर के पण्डोपारा निवासी 40 वर्षीय मट्टूलाल पिता लालसाय अपने घर के पास धान की फसल की रखवाली कर रहे थे। इसी दौरान अचानक हाथी वहां पहुंच गया और उन पर हमला कर दिया। हमले में मट्टूलाल की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिवार में मातम पसर गया। मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

दीपावली पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने की भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की पूजा

रायपुर। प्रकाश पर्व दीपावली के पावन अवसर पर रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने सपरिवार विधि-विधान से भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों के जीवन में सुख, समृद्धि, आरोग्य और खुशहाली की मंगलकामना की।दीपावली के अवसर पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने अपने मौलश्री विहार स्थित निवास और रामसागर पारा स्थित पैतृक निवास में पूजा-अर्चना की। उन्होंने परिवार के साथ भगवान गणेश और माता लक्ष्मी का पूजन कर दीपावली का पर्व मनाया।फैमिली ट्रिप बुक करें

इस पावन अवसर पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना करते हुए उन्होंने सभी प्रदेशवासियों के लिए मंगलकामना की। सांसद ने कामना की कि दीपावली का यह पर्व समस्त प्रदेशवासियों के जीवन में सुख, समृद्धि, आरोग्य और खुशहाली लेकर आए।प्रकाश पर्व दीपावली को लेकर सांसद ने अपने दोनों निवासों में पारंपरिक तरीके से भगवान गणेश और माता लक्ष्मी का पूजन किया। मौलश्री विहार स्थित निवास के साथ ही रामसागर पारा स्थित पैतृक निवास में भी उन्होंने

जल्दी अमीर बनने 5 साल के बच्चे की हत्या:पहले शराब पिलाई,

टंगनू ही बच्चे को बहलाकर अपने साथ ले गया था

एक सत बुलेटिन ➤ जशपुर

छत्तीसगढ़ के जशपुर में 4-5 साल के मासूम जितेन्द्र राम की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी बासुदेव उर्फ टंगनू बच्चे को बहलाकर अपने साथ ले गया। वहां उसे शराब पिलाई। बच्चे के सो जाने पर चाकू से गला रेतकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद उसके शरीर से किडनी, फेफड़े और आंखें निकालकर प्लास्टिक की बाल्टी में रख दिए। आरोपी ने शव को कंबल और गोधड़ी में लपेटकर बोरी में भरा और खेत में बने पानी से भरे गड्ढे में दफना दिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर शव, चाकू, फावड़ा, बाल्टी में रखे अंग और मोबाइल जब्त किया है। आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया



गया है। मामला सन्ना थाना क्षेत्र का है।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह मजदूरी से मिलने वाली रकम से संतुष्ट नहीं था। वह जल्दी और ज्यादा पैसा कमाना चाहता था। इसके लिए सोशल मीडिया पर अलग-अलग तरीके खोजता रहता था। इसी दौरान उसके मन में बच्चों के शरीर के अंग निकालकर बेचने का विचार आया, जिसके बाद उसने वारदात को अंजाम दिया।

बच्चे की हत्या कर किडनी, फेफड़े और आंखें निकाली

7 नवंबर को लापता हुआ था बच्चा

पुलिस के अनुसार, रामजीत राम ने 7 नवंबर को सन्ना थाने में अपने 4-5 साल के बेटे जितेन्द्र के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रामजीत करीब एक साल पहले परिवार के साथ मजदूरी करने सन्ना आया था। वह आमटचुआ नदी डेम के पास बनी झोपड़ी में रहता था। बासुदेव उर्फ टंगनू का उसके घर आना-जाना था। वह रिश्ते में रामजीत का ममेरा भाई लगता है। टंगनू ही बच्चे को बहलाकर अपने साथ ले गया था।

खेत में गड्ढे में मिली बोरी में बंद लाश

बच्चा घर नहीं लौटा तो परिवार ने उसकी तलाश शुरू की। इसी दौरान एक व्यक्ति ने बताया कि उसने जितेन्द्र को बासुदेव के साथ खेत में बनी झोपड़ी की ओर जाते देखा था। परिजनों ने आसपास के गांवों और खेतों में तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चला।

7 नवंबर की सुबह परिवार फिर बच्चे को खोजने निकला। इस दौरान सन्ना गांव के एक खेत में मक्का बाड़ी की मेड़ के पास पानी से भरे गड्ढे में एक बोरी दिखाई दी। बोरी खोलने पर उसके अंदर कंबल और गोधड़ी में लिपटा बच्चे का शव मिला। शव को मिट्टी से दबाया गया था। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

कबाड़ निपटान से ?628.49 करोड़ की कमाई हुई, जो 600 करोड़ के लक्ष्य से अधिक

भारतीय रेलवे ने विशेष अभियान 6 सफलतापूर्वक पूरा किया, 1 लाख से अधिक स्वच्छता अभियान चलाए गए

एक सत बुलेटिन ➤ जशपुर

भारतीय रेलवे ने 2 से 31 अक्टूबर 2026 तक अपने ज़ोनल रेलवे, डिवीजनों, प्रोडक्शन यूनिट्स, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य रेलवे प्रतिष्ठानों में विशेष अभियान 6 सफलतापूर्वक पूरा किया।

इस अभियान के तहत स्वच्छता, कबाड़ के निपटान, ई-कचरा प्रबंधन, जगह के प्रबंधन, रिकॉर्ड प्रबंधन और लंबित मामलों के समय पर निपटान के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की गईं।

इस अभियान के अंतर्गत, रेलवे स्टेशनों,



कार्यालयों, कार्यशालाओं और अन्य रेलवे प्रतिष्ठानों में 1 लाख से अधिक स्वच्छता अभियान चलाए गए। भारतीय रेलवे ने कबाड़ के निपटान से 628.49 करोड़ रुपये की कमाई की, जो 600 करोड़ रुपये के लक्ष्य से अधिक है। साथ ही, कबाड़, बेकार हो चुकी सामग्री और अन्य अनावश्यक वस्तुओं को हटाकर 6,20,121 वर्ग फुट जगह खाली कराई गई।

इस वर्ष के अभियान में ÷ई-कचरे का प्रभावी संग्रह, पृथक्करण और निपटान÷ पर विशेष जोर दिया गया, जो इस अभियान का मुख्य केंद्र-बिंदु था। जिम्मेदार कचरा प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, 1.50 लाख से अधिक ई-कचरा इकाइयों का निपटान किया गया, जिससे 10.43 करोड़ रुपये की आय हुई। इसके अलावा, भारतीय रेलवे ने कई तरह के काम किए, जिनमें पुरानी भौतिक और इलेक्ट्रॉनिक फाइलों की व्यापक समीक्षा, जन शिकायतों और अपीलों का निपटारा, संसदीय आश्वासनों, वीआईपी संदर्भों और अन्य लंबित मामलों पर कार्रवाई शामिल है। इन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की गईं। इन पहलों का उद्देश्य रिकॉर्ड प्रबंधन में सुधार करना, लंबित मामलों को कम करना और एक अधिक स्वच्छ, व्यवस्थित तथा कुशल कार्य वातावरण तैयार करना था।

रेल जन संवाद नागरिकों की भागीदारी को मजबूत करता है

विशेष अभियान 6 के तहत, भारतीय रेलवे ने वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों और रेल उपयोगकर्ताओं के बीच सीधा संवाद कराने के लिए रेल जन संवाद का आयोजन किया। 22 अक्टूबर 2026 को देश भर के 5,884 रेलवे स्टेशनों पर एक साथ रेल जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिससे यात्रियों को रेलवे अधिकारियों के साथ सीधे अपने विचार और सुझाव साझा करने का मौका मिला।विशेष अभियान 6 की सफलता, रेलवे परिसरों में स्वच्छता बनाए रखने, संसाधनों का कुशल उपयोग करने, कचरे के जिम्मेदार निपटान को बढ़ावा देने, रिकॉर्ड प्रबंधन में सुधार करने और लंबित मामलों को समय पर सुलझाने के प्रति भारतीय रेलवे की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है। ये पहलें भारतीय रेलवे में प्रशासनिक दक्षता और नागरिक-केंद्रित शासन को और अधिक मजबूत बनाती हैं।

न्यूज इन शॉर्ट

रायपुर में चाकू लेकर घूम रहा युवक गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में धारदार चाकू लेकर घूम रहे एक युवक को सिविल लाइंस थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी आकाशवाणी कॉलोनी के पास बड़ा चाकू लेकर घूम रहा था। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर संदेही युवक को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से धारदार लोहे का चाकू बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत अपराध दर्ज कर कार्रवाई की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, सिविल लाइंस थाना पुलिस को सूचना प्राप्त हुई थी कि आकाशवाणी कॉलोनी के आसपास एक युवक अपने पास बड़ा धारदार चाकू रखकर घूम रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने संबंधित स्थान पर पहुंचकर संदेही की तलाश शुरू की।
पुलिस ने मौके पर घेराबंदी करते हुए युवक को पकड़ लिया। इसके बाद उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान युवक के पास से लोहे का धारदार चाकू बरामद हुआ। पुलिस ने युवक से चाकू रखने के संबंध में पूछताछ की और उससे वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा। हालांकि, आरोपी चाकू रखने से संबंधित कोई वैध दस्तावेज पुलिस के सामने प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की। बरामद चाकू के आधार पर सिविल लाइंस थाने में आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत मामला दर्ज किया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कुश नाग उर्फ सानू के रूप में हुई है। आरोपी रायपुर के कटोरा तालाब इलाके का निवासी है। वह लक्ष्मी टेलीकॉम के पास गली नंबर 4 में रहता है। उसके पिता का नाम बैकुंठ नाग बताया गया है। पुलिस की इस कार्रवाई में सूचना मिलने के बाद तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई। संदेही युवक को पकड़ने के बाद उसकी तलाशी लेने पर धारदार चाकू मिला। आरोपी द्वारा वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने के बाद उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।आकाशवाणी कॉलोनी के पास हुई इस कार्रवाई में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से धारदार हथियार बरामद किया है। हालांकि, युवक चाकू लेकर किस उद्देश्य से घूम रहा था, इस संबंध में उपलब्ध जानकारी में कोई स्पष्ट विवरण नहीं दिया गया है। फिलहाल सिविल लाइंस पुलिस ने आरोपी कुश नाग उर्फ सानू के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई की है। पुलिस की इस कार्रवाई में धारदार चाकू बरामद होने के साथ ही आरोपी को पकड़ लिया गया।

कोरिया में डायल 112 के जवानों से मारपीट, पत्नी से विवाद की सूचना पर पहुंची पुलिस

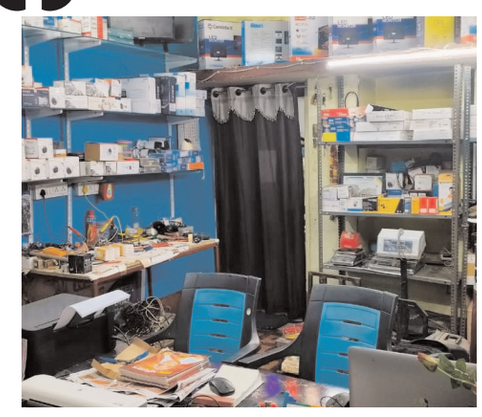
कोरिया। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में डायल 112 के पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट और झूमाझटकी का मामला सामने आया है। जिला मुख्यालय बैकुंठपुर के बरपारा इलाके में पत्नी से विवाद की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम के साथ एक युवक ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर दी। आरोपी नशे की हालत में था और पुलिसकर्मियों के समझाने पर भी शांत नहीं हुआ। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, दीपावली की रात डायल 112 टीम को सूचना मिली थी कि बरपारा निवासी दारा सिंह चौहान अपनी पत्नी के साथ गाली-गलौज और मारपीट कर रहा है। इसके अलावा वह पत्नी को जान से मारने की धमकी भी दे रहा था। सूचना मिलने के बाद डायल 112 की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। वहां आरोपी दारा सिंह नशे की हालत में मिला।पुलिसकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को समझाने और विवाद शांत कराने का प्रयास किया। हालांकि, आरोपी ने पुलिस की बात मानने के बजाय उनके साथ ही गाली-गलौज शुरू कर दी। इस दौरान उसने डायल 112 टीम में तैनात आरक्षक सुभाष मरकाम के साथ झूमाझटकी करते हुए मारपीट कर दी। आरक्षक के साथ मारपीट होते देख टीम के अन्य सदस्य बीच-बचाव करने पहुंचे, लेकिन आरोपी ने उनके साथ भी झूमाझटकी और मारपीट की। पुलिसकर्मियों के साथ हुए इस विवाद के बाद टीम ने आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया और थाने लेकर पहुंची।पुलिस ने आरक्षक सुभाष मरकाम की रिपोर्ट के आधार पर आरोपी दारा सिंह चौहान के खिलाफ धारा 121(1), 221(1), 132, 296, 351(3) और 352 के तहत अपराध दर्ज किया है।

बच्चों ने इंस्टिट्यूट को रंगोली एवं दिपो से सजाया

प्रज्ञा इंस्टिट्यूट एवं प्रखर कंप्यूटर एजुकेशन में हर्षोल्लास से मनाया दीवाली का पर्व

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

दीपावली का पर्व मे कार्यक्रम की शुरुआत मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा से हुई। पूरे संस्थान को दीपों, रंगोली और लाइटों से सजाया गया। बच्चों ने सुंदर रंगोली बनाई, दीप जलाए और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।





स्टिट्यूट संचालक व पत्रकार के. पी. पटेल एवं सह संचालक प्रमोदिनी पटेल ने बच्चों को मेहनत, अनुशासन और संस्कार के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। बच्चों ने सुरक्षित और स्वच्छ दीपावली मनाने का संदेश भी दिया। वहीं पूजा अर्चना के पश्चात ढाबा चौक मे विराजे माँ लक्ष्मी का दर्शन किया कर नगरवासियो के सुख समृद्धि व लोक मंगल की प्रार्थना किये।वहीं इस दीपावली मे प्रज्ञा परिवार ने एक साथ दीप प्रज्वलित किया, सामूहिक पूजा अर्चना करते हुए अतिशबाजी किया और दीपावाली पर्व का आनंद लिया और लोगों को सन्देश दिया कि सुख दुःख मे हमेशा एक दूसरे का साथ देना चाहिए और कोई भी समस्या हो एक साथ मिलकर हल करना चाहिए तभी परिवार की उन्नति हो सकती है और परिवार के उन्नति से समाज का विकास भी होगा जिससे समाज के साथ गाँव, नगर, राज्य तथा देश का विकास सुनुश्चित है।

15 नवंबर से शुरू होगी खरीदी

छत्तीसगढ़ में आज से किसानों को मिलेंगे धान खरीदी के टोकन



एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

प्रदेश में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारियों के बीच आज मंगलवार, 10 नवंबर से किसानों को धान बेचने के लिए टोकन जारी करने की प्रक्रिया निर्धारित है। राज्य में 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू होनी है। ऐसे में किसान आज से निर्धारित व्यवस्था के अनुसार टोकन प्राप्त कर सकेंगे। धान खरीदी के लिए किसानों को ऑनलाइन टोकन बुकिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इसके साथ ही सहकारी समितियों के माध्यम से भी टोकन प्राप्त करने की व्यवस्था रहेगी। किसानों को उनकी पंजीकृत भूमि, धान बेचने की पात्र मात्रा और उपलब्ध तारीख के अनुसार टोकन जारी किए जाएंगे।

360 नए उपार्जन केंद्रों

छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। प्रदेश में 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू होने जा रही है। इससे पहले 10 नवंबर से किसानों को धान विक्रय के लिए टोकन जारी करने की व्यवस्था निर्धारित की गई है। इस बार किसानों को घर बैठे मोबाइल ऐप के माध्यम से टोकन प्राप्त करने की सुविधा मिलेगी। वहीं खरीदी केंद्रों पर बायोमेट्रिक सत्यापन, डिजिटल रिकॉर्ड और धान परिवहन की निगरानी के लिए विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं। राज्य में 27.50 लाख से अधिक किसानों से धान खरीदी की तैयारी है। प्रदेश में धान खरीदी के लिए 360 नए उपार्जन केंद्रों सहित कुल 3,100 केंद्रों की व्यवस्था की गई है। खरीदी केंद्रों पर बारदानों और अन्य आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

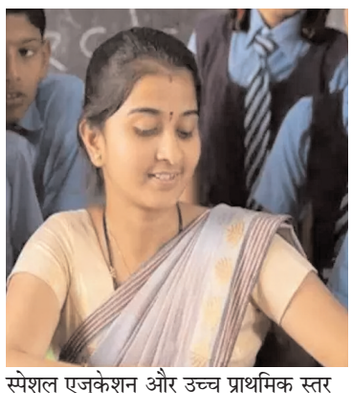
दुर्ग में जुआ फड़ पर पुलिस की दबिश, ताश खेलते 4 जुआरी गिरफ्तार, नकदी और मोबाइल जब्त

दुर्ग । छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में सार्वजनिक स्थान पर ताशपत्ती से रुपये-पैसों का दांव लगाकर जुआ खेल रहे चार लोगों को सिटी कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और जुआ फड़ से 7,100 रुपये नकद, ताशपत्ती की 52 पत्तियां और दो पुराने मोबाइल फोन जब्त किए हैं। जब्त संपत्ति की कुल अनुमानित कीमत 16,100 रुपये बताई गई है।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार 9 नवंबर को सिटी कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दुर्ग के एक सार्वजनिक स्थान पर कुछ लोग ताशपत्ती से रुपये-पैसों का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर जुआ खेल रहे चार लोगों को पकड़ लिया। पुलिस की इस कार्रवाई में चारों आरोपियों को गिरफ्तारनकद बरामद किए।

स्पेशल एजुकेशन की डिग्री होना ही पर्याप्त नहीं होगा

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ में स्पेशल एजुकेटर बनने की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए बड़ी खबर है। अब केवल डी.एड. या बी.एड. स्पेशल एजुकेशन की डिग्री होना ही पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने के साथ भारतीय पुनर्वास परिषद में पंजीकरण भी जरूरी होगा। राज्य सरकार के स्कूल शिक्षा विभाग ने शिक्षक भर्ती एवं पदोन्नति नियम 2026 में संशोधन करते हुए प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्पेशल एजुकेटर पदों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता स्पष्ट कर दी है। इस संबंध में 5 नवंबर 2026 को मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर से अधिसूचना जारी की गई है। नए प्रावधानों के अनुसार प्राथमिक स्तर के लिए डी.एड. स्पेशल एजुकेशन और उच्च प्राथमिक स्तर के लिए बी.एड. स्पेशल एजुकेशन अथवा संबंधित समकक्ष योग्यता निर्धारित की गई है। जारी अधिसूचना के अनुसार दोनों पदों के लिए निर्धारित विशेष शिक्षा योग्यता के साथ शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक होगा। इसके अलावा भारतीय पुनर्वास परिषद में पंजीकरण भी अनिवार्य किया गया है।



संविधान के अनुच्छेद 309 के तहत नियमों में संशोधन

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी अधिसूचना क्रमांक क्रस्श-3016/17/2025-स्ष्टाह्हरु श्वष्ठ. स्श्वष्ट. के अनुसार भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए छत्तीसगढ़ के राज्यपाल ने भर्ती तथा पदोन्नति नियम, 2026 में संशोधन किया है। यह संशोधन नियमों के परिशिष्ट-एक में न्यूनतम अर्हता से संबंधित खंड चार और पांच के स्थान पर नई योग्यताओं को प्रतिस्थापित करने के लिए किया गया है।छत्तीसगढ़ पर्यटन गाइड

प्राथमिक स्पेशल एजुकेटर के लिए ह्ष्ठस्र स्पेशल एजुकेशन जरूरी

अधिसूचना के अनुसार स्पेशल एजुकेटर (प्राथमिक) पद के लिए अभ्यर्थी का भारतीय पुनर्वास परिषद (, नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान से डी.एड. स्पेशल एजुकेशन उत्तीर्ण होना अथवा इसके समकक्ष योग्यता होना आवश्यक है। इसके साथ ही अभ्यर्थी का भारतीय पुनर्वास परिषद में पंजीकृत होना भी जरूरी है। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद द्वारा इस प्रयोजन के लिए निर्मित मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुसार समुचित सरकार द्वारा आयोजित शिक्षक पात्रता परीक्षा में उत्तीर्ण होना अनिवार्य किया गया है।

भटगांव में मां लक्ष्मी एवं काली माता की पूजा बड़े धूमधाम से किया गया

दीवाली का पर्व को भी हर्षोल्लास के साथ मनाया

एक सत बुलेटिन ➤ भटगांव

नगर पंचायत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष ने की पूजा अर्चना व नगरवासियो के लिए सुख समृद्धि की प्रार्थना की , नगर पंचायत भटगांव में मां लक्ष्मी एवं काली माता की पूजा बड़े धूमधाम से की जा रही है। जहाँ घर-घर में दीपों की रोशनी, रंगोली और फूलों से सजावट देखने को मिल रही है और आतिशबाजी करते दिखा.वहीं बाजारों में पूजा सामग्री, मिठाई और दीपकों की खरीदारी के लिए भीड़ लगी रही।व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठानों में मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की विधि-विधान से पूजा की।मंदिरों में भी विशेष आरती, भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण का आयोजन हुआ।> श्रद्धालुओं ने मां लक्ष्मी एवं माँ काली से अपने परिवार के लिए सुख-शांति एवं सौभाग्य की कामना की।वहीं लक्ष्मी पूजा एवं माँ काली के पूजा अर्चना कार्यक्रम मे नगर पंचायत के अध्यक्ष विक्रम कुर्रे, उपाध्यक्ष प्रदीप देवांगन सहित पार्षद महादेवा यादव, पार्षद राम कुमार सिदार, पार्षद लीलाधर वैष्णव, पार्षद संतोष कुर्रे, पार्षद देवेंद्र यादव,पार्षद प्रतिनिधि रमा पटेल, गणेश यादव, रामा हिरवानी शामिल होकर नगवासियो के सुख-शांति, व्यापार में तरक्की और क्षेत्र में खुशहाली की कामना की।





शक्तियों का प्रयोग करते हुए जारी की गई है

छत्तीसगढ़ में जनगणना की तैयारी, घर-घर गणना से पहले मिलेगा स्व-गणना का मौका

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ में जनगणना 2027 को लेकर महत्वपूर्ण अधिसूचना जारी की गई है। राज्य सरकार के गृह (सामान्य) विभाग ने भारत सरकार के गृह मंत्रालय की 30 अक्टूबर 2026 की अधिसूचना को 6 नवंबर 2026 को पुनः प्रकाशित किया है। अधिसूचना के अनुसार छत्तीसगढ़ में जनसंख्या की जनगणना 25 जनवरी 2027 से शुरू होकर 28 फरवरी 2027 तक चलेगी। इसके बाद 1 मार्च से 5 मार्च 2027 तक पुनरीक्षण दौर आयोजित किया जाएगा। जनगणना की प्रक्रिया में इस बार लोगों को घर-घर गणना शुरू होने से पहले स्व-गणना का विकल्प भी उपलब्ध रहेगा। इसके लिए 10 जनवरी से 24 जनवरी 2027 तक



की अवधि निर्धारित की गई है।

25 जनवरी से 28 फरवरी तक होगी जनसंख्या की गणना: भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना क्रमांक का.आ. 5913(अ), दिनांक 30 अक्टूबर 2026 के अनुसार निर्धारित राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में जनसंख्या की जनगणना 25 जनवरी से 28 फरवरी 2027 तक संचालित की जाएगी। छत्तीसगढ़ भी इस निर्धारित कार्यक्रम में शामिल है। इसके तहत प्रदेश में घर-घर जाकर जनसंख्या की गणना की जाएगी। जनगणना के लिए निर्धारित अवधि समाप्त होने के बाद 1 मार्च से 5 मार्च 2027 तक पुनरीक्षण दौर चलेगा।

10 जनवरी से मिलेगा स्व-गणना का विकल्प

जनगणना 2027 की अधिसूचना में स्व-गणना के लिए अलग से समय निर्धारित किया गया है। घर-घर जाकर जनसंख्या की गणना शुरू होने से ठीक पहले 10 जनवरी से 24 जनवरी 2027 तक स्व-गणना का विकल्प उपलब्ध रहेगा। इस व्यवस्था के अंतर्गत लोगों को निर्धारित अवधि में स्वयं अपनी जनगणना संबंधी जानकारी दर्ज करने का विकल्प मिलेगा। अधिसूचना में स्व-गणना के लिए 15 दिनों की अवधि तय की गई है।

1 मार्च से 5 मार्च तक चलेगा पुनरीक्षण दौर

अधिसूचना के अनुसार 28 फरवरी 2027 को जनसंख्या गणना की निर्धारित अवधि समाप्त होने के बाद पुनरीक्षण का कार्य शुरू होगा। यह प्रक्रिया 1 मार्च से 5 मार्च 2027 तक संचालित की जाएगी। इस प्रकार जनसंख्या की घर-घर गणना और पुनरीक्षण के लिए अलग-अलग तारीखें निर्धारित की गई हैं।

1 मार्च 2027 होगी जनगणना की संदर्भ तारीख

केंद्र सरकार की अधिसूचना में जनगणना की संदर्भ तारीख भी स्पष्ट की गई है। इसके अनुसार मार्च 2027 के पहले दिन यानी 1 मार्च 2027 को रात 12 बजे (00ः00 बजे) जनगणना की संदर्भ तारीख माना जाएगा। यह तारीख जनसंख्या गणना के लिए निर्धारित आधिकारिक संदर्भ समय होगी। छत्तीसगढ़ शासन के गृह (सामान्य) विभाग ने मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर से 6 नवंबर 2026 को अधिसूचना जारी की है। अनुसरण में भारत सरकार के गृह मंत्रालय की अधिसूचना को सामान्य जानकारी के लिए पुनः प्रकाशित किया गया है। केंद्र सरकार की अधिसूचना जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 3 के साथ पठित 6घ के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जारी की गई है।

श्रेयस बोले- वैभव सूर्यवंशी को मौका मिलेगा



कहा- 2 मैच में बेहतर गेंदबाजी करते तो नतीजा अलग होता; सीरीज 2-2 से बराबर

भारत के टी-20 कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा है कि वैभव सूर्यवंशी को मौका जरूर मिलेगा। उन्हें इसका इंतजार करना होगा।बेंगलुरु में शनिवार को 5वें टी-20 मैच के बाद श्रेयस से वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग-11 में शामिल नहीं करने पर सवाल किया गया था।इस पर अय्यर ने कहा- 'मैं उससे यही कहता हूं कि तुम्हें मौका मिलेगा। कभी-कभी इंतजार करना पड़ता है। हमारे पास 2 शानदार ओपनर हैं। वैभव के साथ हमारी बातचीत इसी बारे में होती रही है।' वैभव इस सीरीज में खेलने का मौका नहीं मिला।

अय्यर ने होप के प्रदर्शन की तारीफ की

भारत के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि दूसरे और चौथे मैच में बेहतर गेंदबाजी करते, तो सीरीज का नतीजा अलग हो सकता था। उन्होंने वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों और खासकर शाई होप को पूरी सीरीज में अच्छा खेलने का श्रेय दिया।

अय्यर ने कहा, जहां श्रेय देना चाहिए, वहां देना चाहिए। उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की। शाई होप ने पूरी सीरीज में जिस तरह बल्लेबाजी की, वह शानदार था।वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने कहा, 'हम सीरीज जीतने के बहुत करीब थे। ऐसा कुछ, जो हमने 20 से ज्यादा वर्षों में नहीं किया है।'उन्होंने कहा, 'हम निश्चित रूप से आगे बढ़ रहे हैं। सफलता का मतलब केवल सीरीज जीतना नहीं है।' होप ने कहा कि टीम के खिलाड़ियों ने अलग-अलग मौकों पर जिम्मेदारी उठाई।

फॉर्म में शमी, फिर टीम से बाहर क्यों?



न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे और टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का सेलेक्शन होते ही मोहम्मद शमी की गैरमौजूदगी एक बार फिर चर्चा में आ गई है। चोट से जूझ रहे ऋषभ पंत को टेस्ट टीम में शामिल किया गया है, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा का चयन भी फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर है। ऐसे में सवाल उठता है कि भारतीय टीम को कई बड़े मुकाबलों में अपनी गेंदबाजी से जीत दिलाने वाले शमी को आखिर मौका क्यों नहीं मिल भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच टी20 और 5 वनडे मुकाबलों के अलावा दो मैचों की टेस्ट सीरीज भी खेलनी है। पहला टेस्ट 19 नवंबर से वेलिंगटन में शुरू होगा। इस टेस्ट सीरीज के लिए जसप्रीत बुमराह की वापसी हुई है, जबकि आकाश दीप और अंशुल कम्बोज को भी तेज गेंदबाजी विभाग में जगह दी गई है।

बाबर आजम के इंटरनेशनल क्रिकेट में 16000 रन पूरे



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

बाबर आजम ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 16 हजार रन पूरे कर लिए हैं। उन्होंने ट्राई सीरीज के पहले मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ रविवार को यह अचीवमेंट हासिल की। बाबर ऐसा करने वाले पाकिस्तान के 5वें बल्लेबाज बन गए।रावलपिंडी में चल रहे मुकाबले में श्रीलंका ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी है। पाकिस्तानी टीम ने 15 ओवर में 2 विकेट पर 77 रन बना लिए हैं। बाबर और साद बेग नाबाद हैं।पहले बल्लेबाजी कर रही पाकिस्तानी टीम की शुरुआत खराब रही है। टीम ने 32 रन के स्कोर पर 2 विकेट गंवा दिए थे। ओपनर सईम अयूब 7 और फखर जमान 16 रन बनाकर आउट हुए।साद बेग वनडे डेब्यू कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के अजय मंडल ने बोल्ड किया; हर्षल पटेल के 250 फर्स्ट क्लास विकेट

भारतीय कप्तान गिल रणजी मैच में 1 रन बनाकर आउट

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारतीय टीम के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल रणजी ट्रॉफी 2026-27 में अपने पहले मैच में एक रन पर आउट हो गए हैं। उन्हें रविवार को छत्तीसगढ़ के अजय मंडल ने बोल्ड कर दिया।चंडीगढ़ में चल रहे इस मैच में टॉस जीतकर बैटिंग कर रही पंजाब ने पहली पारी में 3 विकेट पर 89 रन बना लिए हैं।एक अन्य मुकाबले में गुजरात के हर्षल पटेल ने दिल्ली के 2 विकेट झटक लिए हैं। उनके फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 250 विकेट हो चुके हैं।

न्यूजीलैंड दौरे के लिए रणजी खेल रहे हैं गिल

भारतीय कप्तान शुभमन गिल न्यूजीलैंड दौरे की तैयारी के लिए रणजी ट्रॉफी का मैच खेलने उतरे हैं। 2 दिन पहले जारी टीम में उन्हें टेस्ट और शुरुआती 3 वनडे मैच के लिए भारत का कप्तान बनाया गया है।



टीम इंडिया को न्यूजीलैंड के खिलाफ 19 नवंबर से वेलिंग्टन में पहला टेस्ट मैच खेलना है। यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा साइकल के फाइनल में पहुंचने के लिए अहम है।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीती

गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने 2 महीने पहले श्रीलंका के खिलाफ 2 मैचों की सीरीज 1-0 से अपने नाम की थी।कोलंबो में इस सीरीज का दूसरा मैच ड्रॉ रहा था। जबकि, पहले मुकाबले को टीम इंडिया ने 165 रन से जीता था। श्रीलंका के खिलाफ गिल का प्रदर्शनज

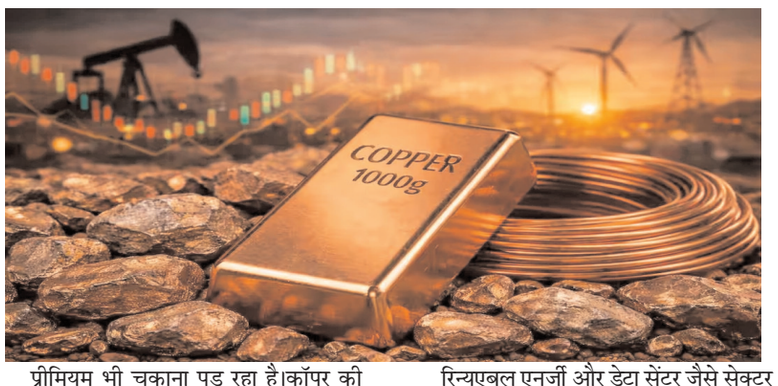
गुजरात के तेज गेंदबाज हर्षल पटेल ने दिल्ली के खिलाफ सनत सांगवान को आउट कर फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अपने 250 विकेट पूरे किए। इसके बाद उन्होंने यश ढुल को भी पवेलियन भेजा।

व्यापार

दुनिया तांबे के पीछे, ज्यादा पैसे देने को तैयार!

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारत में कॉपर की कीमत अगस्त में करीब ?1,400 प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। ग्लोबल स्तर पर बढ़ती मांग और सीमित सप्लाई के बीच कॉपर बाजार में दबाव बढ़ रहा है। पावर ग्रिड, इलेक्ट्रिक व्हीकल, रिन्यूएबल एनर्जी और ढ्ढ डेटा सेंटर जैसे सेक्टर इसकी खपत बढ़ा रहे हैं।भारत में तांबे की कीमत अगस्त 2026 में करीब ?1,400 प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। 17 अगस्त को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि। (स्ष्ठङ्क) पर कॉपर कॉन्ट्रैक्ट भी लगभग इसी स्तर पर कारोबार कर रहे थे। बाजार में सिर्फ कीमत ही नहीं बढ़ी है, बल्कि तुरंत सप्लाई हासिल करने के लिए खरीदारों को



प्रीमियम भी चुकाना पड़ रहा है।कॉपर की कीमतों में तेजी के पीछे ग्लोबल डिमांड और सप्लाई के बीच बढ़ता अंतर बड़ी वजह माना जा रहा है। पावर ग्रिड, इलेक्ट्रिक व्हीकल, रिन्यूएबल एनर्जी और डेटा सेंटर जैसे सेक्टर में कॉपर की जरूरत तेजी से बढ़ रही है। इसी वजह से लंदन मेटल एक्सचेंज के करीब बनी हुई हैं।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक की नई चेयरपर्सन होंगी शबनम सिन्हा

सुनील मित्तल 10 साल बाद पद छोड़ेंगे, 30 सितंबर को कंपनी के बोर्ड से हटेंगे

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

वर्ल्ड बैंक की पूर्व लीड स्पेशलिस्ट और इंडिपेंडेंट डायरेक्टर डॉ. शबनम सिन्हा 1 अक्टूबर 2026 से बैंक की नई चेयरपर्सन के तौर पर जिम्मेदारी संभालेंगी।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक की नई चेयरपर्सन शबनम सिन्हा होंगी। वे 1 अक्टूबर 2026 से यह पद संभालेंगी। शबनम नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन सुनील भारती मित्तल की जगह लेंगी। मित्तल 30 सितंबर को अपना 10 साल का कार्यकाल पूरा करके बोर्ड से हट जाएंगे।डॉ. शबनम सिन्हा के पास बैंकिंग, गवर्नेंस और डिजिटल बदलाव का 30 से ज्यादा सालों का ग्लोबल अनुभव है। उन्होंने 2010-2025 यानी 15 साल वर्ल्ड बैंक में बतौर लीड स्पेशलिस्ट काम किया। यहां उन्होंने एशिया, यूरोप और अफ्रीका में 4 बिलियन डॉलर यानी करीब ?38,000 करोड़ से ज्यादा के प्रोजेक्ट्स की जिम्मेदारी संभाली।

वर्ल्ड बैंक से पहले वह ढ्ढरू स्रस्र एजुकेशन की



ष्टश्वह्र रह चुकी हैं और स्ट्ठष्ठ व ह्लष्टश्वञ्चस्स के साथ भी लंबे समय तक काम कर चुकी हैं। फिलहाल वह एयरटेल पेमेंट्स बैंक, वेदांता और भारत फाइनेंशियल इंक्लूजन जैसे बड़े संस्थानों के बोर्ड में शामिल हैं।शबनम सिन्हा बोली- जिम्मेदारी मिलना सम्मान की बात

डॉ. शबनम ने कहा कि एयरटेल पेमेंट्स बैंक की कमान संभालना मेरे लिए गर्व की बात है, खासकर ऐसे वक्त में जब डिजिटल बैंकिंग देश की तरक्की में सबसे अहम रोल निभा रही है। बैंक ने आसान तकनीक के जरिए एक ऐसा मजबूत और भरोसेमंद जरिया तैयार किया है,।

राज्यों का आरोप है कि मेटा को पता था।

मेटा पर भारी जुर्माने का संकट

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

मेटा अब एक नए कोर्ट केस का सामना करने जा रही है, जहां जहां उसके ऊपर कई गंभीर आरोप लगे हैं. प्लेटफॉर्म पर आरोप हैं कि उसकी वजह से लोगों को सोशल मीडिया की लत लग रही है और उसके ऐप्स कई तरह के नुकसान पहुंचा जा रहे हैं।

साथ ही उसके ऐप्स की वजह से बच्चों की मेंटल हेल्थ भी प्रभावित हो रही है, जिसके कारण कंपनी को दर्जनों केस का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही कंपनी को 1।4 ट्रिलियन डॉलर (करीब 133।92 लाख करोड़ रुपये) के जुर्माने तक भरना पड़ सकता है।

नए मामले की सुनवाई मंगलवार को कैलिफोर्निया के ओकलैंड स्थित संघीय अदालत में शुरू की जाएगी। बीते सप्ताह मेटा ने इस मामले को खारिज कराने की मांग की थी, लेकिन कंपनी की अर्जी को कंपनी ने



स्वीकार नहीं किया।

सीईओ मार्क जकरबर्ग को पड़ेगा पेश

इस केस के दौरान मेटा के टॉप ऑफिसर्स और कंपनी के सीईओ मार्क जकरबर्ग तक की सुनवाई हो सकती है। साथ ही कंपनी पर बहुत मोटा जुर्माना तक लगाया जा सकता है। राज्यों ने मेटा पर आरोप लगाया था कि मेटा ने जानबूझकर ऐसे फीचर्स को तैयार किया है, जो असल में यूजर्स को उसके प्लेटफॉर्म का आदि बनाते हैं।

2023 में मेटा के खिलाफ दायर केस से कनेक्ट हैं

यह मामला साल 2023 में कई अमेरिकी राज्यों की ओर से मेटा के खिलाफ दायर किए गए केस से कनेक्टेड है। यह कार्रवाई कंपनी की सुरक्षा नीतियों को लेकर कई राज्यों की जांच के बाद हुई, जिसके बाद जांच में बच्चों और किशोरों को होने वाले गंभीर नुकसान सामने आए थे। ये जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स में दी है।

मेटा के खिलाफ आरोप सुनेंगें

सुनवाई के दौरान जज यवोन गोंजालेज रोजर्स कैलिफोर्निया, कोलोराडो, कंटकी और न्यू जर्सी के आरोपों को सुनेंगे, जिसमें मेटा पर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि मेटा ने अपने ऐप्स की सुरक्षा को लेकर जानबूझकर गुमराह किया और उपभोक्ता संरक्षण कानूनों का उल्लंघन किया।

चार राज्यों समेत कुल 29 राज्य मेटा पर चिल्ड्रन ऑनलाइन प्राइवेसी प्रोटेक्शन एक्ट के उल्लंघन के आरोप लग चुके हैं। राज्यों का आरोप है कि मेटा को पता था।

विदेश में मारुति सुजुकी फॉन्क्स की बंपर डिमांड



विदेश में मारुति सुजुकी फॉन्क्स की बंपर डिमांड

मारुति सुजुकी भारत में सबसे ज्यादा कारें बेचती है. मारुति सिर्फ भारत के लिए ही नहीं बल्कि विदेशों में एक्सपोर्ट के लिए भी कई कारें बनाती है। ऐसी ही एक कार मारुति सुजुकी फॉन्क्स है, जो काफी ज्यादा एक्सपोर्ट हो रही है। इस कार की 2 लाख यूनिट्स को भारत से बाहर एक्सपोर्ट किया जा चुका है। इस आंकड़े तक यानी 2 लाख एक्सपोर्ट तक मारुति सुजुकी फ्रॉन्क्स सबसे तेजी से पहुंची है। कॉम्पैक्ट एसयूवी को यहां तक पहुंचने में 38 महीनों का वक्त लगा है। फ्रॉन्क्स का एक्सपोर्ट जून 2023 में शुरू हुआ। फिलहाल इस मेड इन इंडिया एसयूवी को 90 देशों में एक्सपोर्ट किया जाता है। मारुति इस कार की मैन्युफैक्चरिंग गुजरात के हंसलपुर प्लांट में करती है।



फैसलों की आर्थिक स्पष्टता

आर्थिक स्रोतों की पैरवी में अदालत से मिली गारंटी का एहसास हिमाचल को नए सफर की कहानी बता रहा है। ताजातरीन उदाहरण सुप्रीम कोर्ट से आए फैसले का आर्थिक निर्देश है जिसके तहत अगले बीस साल 1197.3 करोड़ यूनिट बिजली की आपूर्ति होगी। पंजाब पुनर्गठन से मिली रसीदें जहां गुम थीं, वहां हिमाचल की हिस्सेदारी यानी 7.19 प्रतिशत पर दावेदारी अगर मिली है, तो यह न्याय का वरदान है। भुगतान की कश्तियां जहां डूबी थीं, वहां विभिन्न सरकारें 1996 से ही सुप्रीम कोर्ट से हक मांग रही थीं। फैसले की आमद से पंजाब को 60 फीसदी और हरियाणा को 40 फीसदी की अदायगी करनी होगी। जाहिर है पंजाब पुनर्गठन की फाइलों के प्रति हिमाचल का रवैया शुरुआत में ढीला और औपचारिक ही रहा है। हम अगर 7.19 प्रतिशत की हैसियत में पंजाब पुनर्गठन को टटोलते तो आज स्थिति भिन्न होती। यह उस दौर की कहानी है जब यहां की राजनीति ऊपरी और निचले हिमाचल की बहस में खुद को समेट रही थी। पंजाब पुनर्गठन केवल कुछ पहाड़ी इलाकों को हिमाचल में शामिल करना नहीं था, बल्कि इनकी वजह से आ रही ऊर्जा को अंगीकार करना था। अगर उसी वक्त हिमाचल 7.19 प्रतिशत की दर से अपने अधिकारों की पैरवी करता, तो आज तस्वीर दूसरी होती। पहले केंद्र शासित राज्य के दस्तूर में अपनी हैसियत मापते रहे और फिर विशेष राज्य के दर्जे में केंद्र के पिछलग्गू बन गए। पहली बार हिमाचल ने अपनी अस्मिता से जल संसाधन तब जोड़े, जब शांता कुमार की पैरवी से प्रदेश को बारह प्रतिशत मुफ्त बिजली की सबसिडी मिली। इसके बाद धूमल सरकार ने विद्युत राज्य बनने की कसौटियां तय कीं, जबकि हाल के दिनों में सुक्खू सरकार ने अधिकारों के हिमाचली रहट चला दिए। इसी कड़ी में वाटर सेस और शानन विद्युत परियोजना के मालिकाना हक पर हिमाचल ने अपने सारे तर्क बदले हैं। करछम-वांगतू जल विद्युत परियोजना से मुफ्त बिजली पाने के अधिकार अगर बारह से 18 प्रतिशत हुए।

विचार

सुप्रीम कोर्ट के आवश्यक न्यायिक फैसलों के उजाले

- ललित गर्ग

लेखक

लोकतंत्र की मजबूती का वास्तविक प्रमाण केवल चुनावों का नियमित आयोजन, संसद में बहुमत अथवा राजनीतिक दलों की लोकप्रियता नहीं है, बल्कि यह है कि संविधान के सामने सत्ता, विपक्ष और सामान्य नागरिक की स्थिति समान हो। जब सामाजिक न्याय, आरक्षण, धार्मिक स्वतंत्रता और चुनावी निष्पक्षता जैसे प्रश्न एक साथ राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में आते हैं, तब सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका और भी महत्त्वपूर्ण हो जाती है। न्यायपालिका वह संवैधानिक संस्था है, जिससे नागरिक यह अपेक्षा करता है कि वह राजनीतिक आग्रहों, सामाजिक दबावों और सत्ता के प्रभाव से मुक्त रहकर न्याय का मार्ग प्रशस्त करेगी।

आज देश को ऐसी न्यायिक सक्रियता की आवश्यकता है, जो अन्याय के सामने निर्भीक हो, लेकिन अपने अधिकार क्षेत्र के प्रति सजग भी रहे, जो नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करे, लेकिन राजनीतिक आग्रहों से अप्रभावित रहे, जो संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा बनाए रखे, लेकिन उनकी जवाबदेही को भी सुनिश्चित करे।लोकतंत्र की मजबूती का वास्तविक प्रमाण केवल चुनावों का नियमित आयोजन, संसद में बहुमत अथवा राजनीतिक दलों की लोकप्रियता नहीं है, बल्कि यह है कि संविधान के सामने सत्ता, विपक्ष और सामान्य नागरिक की स्थिति समान हो। जब सामाजिक न्याय, आरक्षण, धार्मिक स्वतंत्रता और चुनावी निष्पक्षता जैसे प्रश्न एक साथ राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में आते हैं, तब सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका और भी महत्त्वपूर्ण हो जाती है। न्यायपालिका वह संवैधानिक संस्था है, जिससे नागरिक यह अपेक्षा करता है कि वह राजनीतिक आग्रहों, सामाजिक दबावों और सत्ता के प्रभाव से मुक्त रहकर न्याय का मार्ग प्रशस्त करेगी। आज आरक्षण की पात्रता और धर्मांतरण से जुड़े विवादों से लेकर निर्वाचन प्रक्रिया तथा न्यायालय की गरिमा तक, अनेक प्रश्न इसी अपेक्षा की कसौटी बनकर सामने हैं। इन प्रश्नों पर विचार करते समय आवश्यक है कि हम न किसी राजनीतिक पक्ष के प्रचारक बनें, न किसी धार्मिक समुदाय के प्रति पूर्वाग्रह रखें, बल्कि संविधान की भावना और न्याय के व्यापक उद्देश्य को केंद्र में रखें। अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षण भारतीय संविधान की उन ऐतिहासिक व्यवस्थाओं में है, जिनका उद्देश्य सदियों से चले आ रहे सामाजिक बहिष्कार, अस्पृश्यता और भेदभाव के दुष्परिणामों को दूर करना है। यह केवल रोजगार अथवा शिक्षा में कुछ अतिरिक्त अवसर उपलब्ध कराने की व्यवस्था नहीं, बल्कि उस सामाजिक अन्याय के विरुद्ध संवैधानिक हस्तक्षेप है, जिसने बड़ी आबादी



को लंबे समय तक समान अवसरों से वंचित रखा। इसलिए आरक्षण और धर्मांतरण के संबंध में होने वाली बहस को भावनाओं, धार्मिक आग्रहों अथवा राजनीतिक आरोपों के बजाय संवैधानिक प्रावधानों और सामाजिक वास्तविकताओं के आधार पर समझना चाहिए।सुप्रीम कोर्ट द्वारा यह स्पष्ट किया जाना एक स्वागत योग्य कदम है कि अनुसूचित जाति (एससी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के व्यक्तियों द्वारा धर्मांतरण करने पर उन्हें आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा। तमिलनाडु सरकार द्वारा इसे उच्च न्यायालय में चुनौती देना और अपने राज्य में इस प्रकार की सुविधा जारी रखना कि इस्लाम या ईसाई धर्म अपनाने के बाद भी आरक्षण का लाभ मिलता रहे, वास्तव में सनातन संस्कृति के आरक्षित वर्गों के हितों को कमजोर करने वाला और धर्मांतरण को परोक्ष रूप से बढ़ावा देने वाला कदम था। यह विडंबना ही है कि एक तरफ कुछ संगठन यह दावा करते हैं कि उनके यहां जातिगत भेदभाव का अस्तित्व नहीं है, वहीं दूसरी ओर वे एससी और ओबीसी वर्ग के लोगों को अपने पंथ में आने के बाद भी आरक्षण का लाभ मिलने की पुरजोर वकालत करते हैं। इस प्रकार के दोहरे लाभ और प्रलोभनों के कारण न केवल धर्मांतरण की प्रवृत्ति को बल मिलता है, बल्कि हिंदू समाज को इसका भारी नुकसान उठाना पड़ता है, क्योंकि धर्मांतरित लोग आरक्षण के साथ-साथ अल्पसंख्यक दर्जे के लाभों का भी अनुचित दोहन करने लगते हैं। हालांकि विभिन्न राज्य सरकारें छल-कपट से होने वाले धर्मांतरण के विरुद्ध कड़े कानून बना रही हैं, फिर भी यह समस्या थमने का नाम नहीं ले रही है, जिसका प्रमुख कारण धार्मिक स्वतंत्रता के नाम पर हो रहा इसका दुरुपयोग है।

विचार

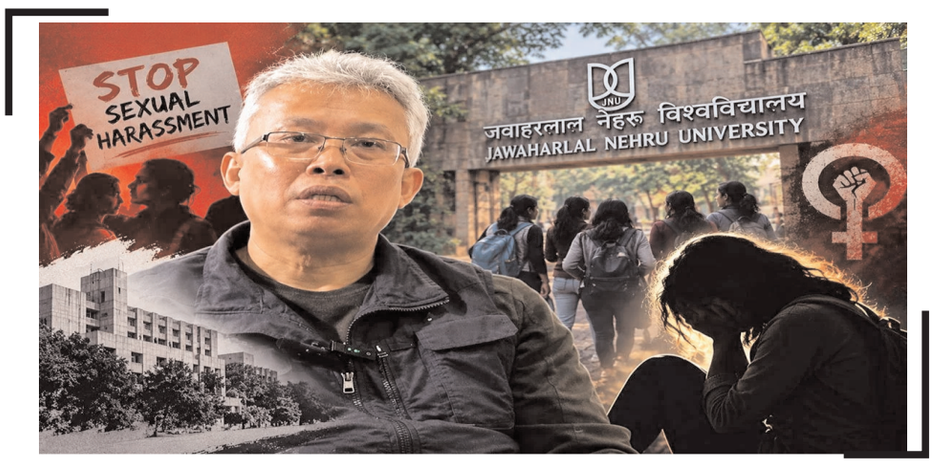
सवालों के घेरे में हैं जेएनयू के क्रांतिकारियों की चयनित चुप्पियां

- प्रो. संजय द्विवेदी

लेखक

वे अभी सांसद बने हुए हैं। प्रो. बिमोल ने इन आरोपों पर सफाई देते हुए कहा कि उन्हें सरकार विरोधी रवैये के कारण शिकार बनाया जा रहा है। इस सफाई के बहुत मायने नहीं हैं। मुद्दा है शिक्षक की गरिमा का, यदि वह जनप्रतिनिधि हैं तो मामला गंभीर हो जाता है।जेएनयू जैसे विश्वविद्यालय में जागरुक विद्यार्थियों की संख्या काफी है। राजनीतिक तौर पर भी उनकी सक्रियता किसी से छिपी नहीं है। ऐसे में किसी प्राध्यापक का यह रवैया आश्चर्यजनक है।

स्त्रियों ने इस समय में अपनी शक्ति को पहचान लिया है। वे बेहतर कर रही हैं और आगे आसमां छूने की कोशिशों में हैं। यहां भी पुरुष सत्ता चोटिल होती हुई लगती है। उसके प्रति सम्मान और संवेदनशीलता के बजाए, किस्से बनाने और उसे कमतर साबित करने की कोशिशें हर स्तर हो रही हैं।शिक्षा केंद्रों की कलंक कथाएं अनंत हैं। गुरु-शिष्य परंपरा को लजाते प्रकरण मुंह चिढ़ा रहे हैं। ऐसी खबरें अब बहुत विचलित नहीं करतीं। किंतु बात जब जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय जैसे शिक्षा केंद्र की हो तो मामला साधारण नहीं रह जाता। आरोप किसी साधारण शिक्षक पर नहीं, मणिपुर से लोकसभा के सांसद प्रोफेसर अंगोमचा बिमोल अकोइजम पर हैं। वे जेएनयू के सामाजिक विज्ञान अध्ययन केंद्र में प्राध्यापक थे। जेएनयू प्रशासन ने 11 छात्राओं की शिकायतों की जांच के बाद प्रोफेसर अंगोमचा बिमोल अकोइजम को बर्खास्त कर दिया है। वे अभी सांसद बने हुए हैं। प्रो. बिमोल ने इन आरोपों पर सफाई देते हुए कहा कि उन्हें सरकार विरोधी रवैये के कारण शिकार बनाया जा रहा है। इस सफाई के बहुत मायने नहीं हैं। मुद्दा है शिक्षक की गरिमा का, यदि वह जनप्रतिनिधि हैं तो मामला गंभीर हो जाता है।जेएनयू जैसे विश्वविद्यालय में जागरुक विद्यार्थियों की संख्या काफी है। राजनीतिक तौर पर भी उनकी सक्रियता किसी से छिपी नहीं है। ऐसे में किसी प्राध्यापक का यह रवैया आश्चर्यजनक है। उन छात्राओं के साहस को भी नमन करना चाहिए, जिनके कारण यह प्रकरण प्रकाश में आ सका। हमारी परंपरा में शिक्षक अपने विद्यार्थियों के लिए अभिभावक हैं। इस गरिमा को छोड़कर अपने विद्यार्थियों का किसी भी तरह का शोषण स्वीकार्य नहीं है। यह उस अकादमिक भरोसे की हत्या है, जिस पर शिक्षा की नींव टिकी है। आरोपी प्रोफेसर के बारे में विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति ने शिकायतों को सही पाया है। नैतिकता के आधार पर उन्हें सांसद पद से इस्तीफा देना चाहिए। उनकी अपनी कांग्रेस पार्टी की ओर से कोई आधिकारिक बयान अभी तक सामने नहीं आया है। यह बात रेखांकित करती है कि शिक्षा केंद्रों में शिक्षक सुरक्षित माहौल नहीं देगें तो युवा पीढ़ी का मानसिक और शैक्षणिक विकास कैसे होगा? यह भी सुखद है कि जागरुक विद्यार्थी अब किसी तरह के शोषण को सहने को तैयार नहीं हैं। पीड़िताएं अब डरने के बजाए संस्थागत प्रक्रियाओं का दरवाजा खटखटा रही हैं।स्त्रियों ने इस समय में अपनी शक्ति को पहचान लिया



है। वे बेहतर कर रही हैं और आगे आसमां छूने की कोशिशों में हैं। यहां भी पुरुष सत्ता चोटिल होती हुई लगती है। उसके प्रति सम्मान और संवेदनशीलता के बजाए, किस्से बनाने और उसे कमतर साबित करने की कोशिशें हर स्तर हो रही हैं। तेज होते सामाजिक-आर्थिक परिवर्तनों के इस दौर में सिर्फ कानून ही स्त्री के साथ खड़े हैं। कई जगह स्त्रियां भी, स्त्रियों के खिलाफ खड़ी हैं। यह संक्रमण काल है, स्त्री को अपने वजूद को साबित करते हुए निरंतर आगे बढ़ने का समय है। वह जीत रही है और आगे बढ़ रही है। आज की बेटियां अपने सपनों में रंग भर रही हैं। आसान शिकार होने के नाते कुछ शिकारी उसकी घात में हैं, किंतु आज की औरत इससे डरती नहीं। घबराती नहीं। वह बने-बनाए कठघरों को तोड़कर आगे आ रही है।कानून से ऊपर कोई नहीं है। आरोपी प्रोफेसर सांसद हैं तो उन्हें कुछ विशेषाधिकार जरुर हासिल हैं। ऐसे में मुद्दा यह भी है कि जब कानून बनाने वाले ही महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचा रहे हैं तो राजनीतिक शुचिता का क्या होगा। दलगत राजनीति और चयनित चुप्पियों के समय में राजनीतक दलों का रवैया दोमुंहा हो जाता है। टीवी डिबेट्स में राजनीतिक दलों की महिला प्रवक्ता भी उक्त प्राध्यापक का बचाव करते नजर आ रहे हैं। यह तर्क भी कितने गलीज हैं कि दूसरे दल के लोगों पर भी आरोप लगे हैं। इससे गहरी राजनीतिक संवेदनहीनता प्रकट होती है। आपको इसलिए छोड़ दिया जाए क्योंकि प्रतिपक्ष पर भी ऐसे आरोप हैं। नैतिकता और महिला सुरक्षा के मुद्दों पर दलीय सीमाओं से ऊपर उठकर स्त्री सम्मान के लिए सभी को खड़ा होना चाहिए। संसद को हम लोकतंत्र का मंदिर मानते हैं। वहां बैठे सांसदों से उच्च नैतिक आचरण की अपेक्षाएं बेमानी नहीं हैं। हालात इतने बदतर हैं कि गंभीर आरोपों से घिरे लोग अकसर संस्थागत जांच की वैधता पर सवालिया निशान लगाकर सहानुभूति हासिल करने का प्रयास करते हैं। इस मामले में भी यही दिख रहा है। वहीं दूसरी ओर जेएनयू प्रशासन का यह दावा कि उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए आंतरिक समिति की रिर्पोट के आधार पर सांसद-प्राध्यापक पर कार्रवाई की गई है। यह साबित करता है कि राजनीतिक पदों की धमक से ऊपर अब संस्थागत नियमों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

लक्ष्मण रेखा खींचने की जरुरत-

विश्वविद्यालयों के परिसरों में वैचारिक विमर्श हों। संवाद हों। किंतु वे ताकतवर लोगों के लिए सुरक्षित शरणगाह नहीं बनें। लक्ष्मण रेखा खींचने की जरुरत है। इस पर शिक्षकों को विचार करना होगा। अपने गिरेबां में झांकना होगा। शिक्षा परिसरों में पुलिस डेरा डाल रही है। उनकी स्वायत्तता और सम्मान आज हाशिए पर है। राजनीतिक दलों से जुड़ी अपनी आस्थाओं के कारण अगर शिक्षक अपनी भूमिका से समझौता करेगें, तो उनका सम्मान बच नहीं सकता। विचारधारा और देशद्रोही विचारों के आधार पर चलने वाली शक्तियां परिसर को तो

(एक नजर)

शुक्र की चाल हुई वक्री, 29 दिन पड़ेंगे भारी

ज्योतिष शास्त्र में शुक्र को सुख-सुविधाओं, प्रेम, वैभव, सौंदर्य और धन से जोड़कर देखा जाता है. शुक्र की चाल में बदलाव का असर जीवन के इन पहलुओं पर पड़ने की मान्यता है. आज 17 अक्टूबर 2026 से 14 नवंबर 2026 तक शुक्र की वक्री चाल को लेकर कुछ राशियों के लिए आर्थिक मामलों और रिश्तों में सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है. ऐसे में ग्रहों के प्रभाव का आप की राशि पर असर पड़ता है ये भी जानना जरूरी है. ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, वृषभ, कन्या, तुला, मकर और कुंभ राशि के जातकों को इस दौरान अपने खर्च, कामकाज और निजी जीवन में संतुलन बनाकर चलना चाहिए. वृषभ राशि-खर्च बढ़ने से बिगड़ सकता है बजट वृषभ राशि के जातकों को इस अवधि में अपनी सेहत और दिनचर्या पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होगी. काम का दबाव बढ़ने से थकान महसूस हो सकती है. आर्थिक मामलों में गैरजरूरी खर्चों से बचें, अपनी जरूरतों के हिसाब से बजट बनाएं. अगर कोई समस्या लंबे समय से बनी हुई है।

विचार

अमेरिकी द्वीपों की अनकही दुनिया

संदीप कुमार सिंह

लेखक

क्या आप ऐसे अमेरिका की कल्पना कर सकते हैं, जहां लोगों के पास पावरफुल पासपोर्ट तो है, लेकिन राशन के एक पैकेट के लिए हफ्तों मौसम साफ होने की दुआ मांगनी पड़ती है? समंदर की लहरों के बीच फैले 18 हजार से ज्यादा द्वीपों का अमेरिका एक ऐसी अनसुलझी दुनिया है, जिसके कायदे-कानून और जिंदगी जीने का तरीका मेनलैंड से एकदम अलग है। आखिर महाशक्ति अमेरिका के इन दूरदराज टापुओं पर कैसे कटती है आम इंसानों की जिंदगी और कैसे ये गुमनाम द्वीप वॉशिंगटन के असली ग्रंप कार्ड बने हुए हैं?

जब भी अमेरिका शब्द हमारे दिमाग में आता है तो गगनचुंबी इमारतों से घिरा न्यूयॉर्क, वॉल स्ट्रीट की मनी रेस या वॉशिंगटन डीसी के पावर कॉरिडोर की तस्वीरें उभरती हैं। आम धारणा यही है कि अमेरिका का मतलब है चमचमाती सड़कें, हाई-वे और मोबाइल स्क्रीन के एक क्लिक पर हर चीज की होम डिलीवरी। लेकिन ये तो मेनलैंड अमेरिका की चकाचौंध भरी जिंदगी की तस्वीर है। इससे एकदम अलग और दूर एक दूसरा अमेरिका भी सांस लेता है, जिसकी जमीनी हकीकत इन बड़े शहरों से 180 डिग्री अलग



है।यूएसजीएस के आंकड़ों के मुताबिक, अमेरिका के पास कुल 18,617 द्वीप हैं। प्रशांत महासागर की गर्म लहरों से लेकर आर्कटिक की भीषण बर्फ तक फैले इन द्वीपों पर जीवन प्रकृति की चुनौतियों और समुद्र के सन्नाटे के बीच कटता है। मेनलैंड अमेरिका में जहां हर सहूलियत उंगलियों के इशारे पर हाजिर होती है, वहीं इन दूरदराज के द्वीपों पर रोजमर्रा का जीवन समुद्री सप्लाई लाइन और मौसम के मिजाज पर निर्भर है।

जैसे अलास्का के एल्यूशियन द्वीपसमूह या प्रशांत महासागर में बसे छोटे टापुओं तक राशन और जरूरी सामान पहुंचाने के लिए कोई एक्सप्रेसवे या सिक्स-लेन हाईवे नहीं है। वहां ताजी सब्जियां, दूध, दवाइयां और ईंधन सब कुछ जहाजों या छोटे प्लेन से लाए जाते हैं। अगर समंदर में चक्रवात आ जाए या धुंध घनी हो जाए, तो हफ्तों तक द्वीपों पर आपूर्ति ठप हो जाती है और सुपरमार्केट के शेल्फ खाली हो जाते हैं। फिर, भारी परिवहन लागत के कारण इन द्वीपों पर ब्रेड या दूध के पैकेट मेनलैंड अमेरिका की तुलना में दो से तीन गुना महंगे मिलने लगते हैं।

इन द्वीपों पर पानी और बिजली का इंतजाम करना भी किसी चुनौती से कम नहीं है। कई छोटे द्वीपों पर केंद्रीय बिजली ग्रिड नहीं पहुंच पाता, इसलिए वहां बिजली के लिए डीजल जनरेटर, सोलर पैनल या विंड टर्बाइन का सहारा लिया जाता है। पीने के पानी के लिए लोग रेन वॉटर हार्वेस्टिंग या समंदर के पानी को पीने लायक बनाने वाले प्लांट पर निर्भर रहते हैं।

एक बड़ा फर्क इन द्वीपों के लोगों के लिए और है। उनके पास अमेरिकी पासपोर्ट तो है लेकिन राष्ट्रपति चुनाव में वोट का अधिकार नहीं है।

मुख्यभूमि में रहने वाले नागरिक जहां अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में सीधे वोट डालते हैं, वहीं अमेरिका के द्वीपीय निवासियों का राजनीतिक दर्जा बेहद अनोखा है।

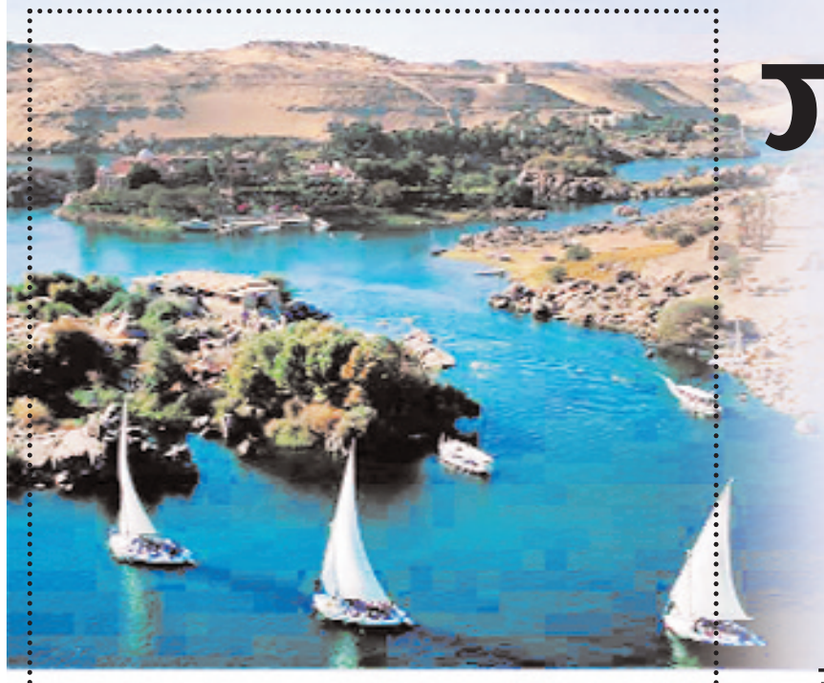
प्यूर्टो रिको, गुआम, यूएस वर्जिन आइलैंड्स और नॉर्दर्न मारियाना द्वीप जैसे क्षेत्रों में जन्म लेने वाले लोग कानूनी तौर पर अमेरिकी नागरिक होते हैं। उनके पास अमेरिकी पासपोर्ट होता है और वे अमेरिकी सेना में भी सेवाएं देते हैं। हालांकि, अमेरिकी संविधान के प्रावधानों के तहत जब तक ये नागरिक मुख्यभूमि के किसी राज्य में जाकर स्थायी रूप से नहीं बस जाते, इन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में वोट डालने का अधिकार नहीं होता। अमेरिकी संसद में भी इनके प्रतिनिधियों के पास कानून बनाने के लिए पूर्ण वोटिंग पावर नहीं होती।

लेकिन, लॉजिस्टिक्स की तमाम मुश्किलों के बावजूद अमेरिका इन 18,617 द्वीपों को केवल प्रशासनिक जिम्मेदारी के तौर पर नहीं देखता, बल्कि ये द्वीप उसकी वैश्विक सुपरपावर की स्थिति की रीढ़ हैं। इन बिखरे हुए द्वीपों के चलते अमेरिका के पास लगभग 1।13 करोड़ वर्ग किलोमीटर का दुनिया का सबसे बड़ा श्वर्श है, जो उसे बेहिसाब तेल, गैस, खनिज और मत्स्य संसाधनों पर एकाधिकार प्रदान करता है।

इतना ही नहीं, इन्हीं द्वीपों पर प्रशांत महासागर में अमेरिका के पास गुआम और हवाई जैसे सबसे मजबूत नौसैनिक और वायुसैनिक अड्डे हैं। न्यूयॉर्क-वॉशिंगटन की चमक-धमक जहां अमेरिका की आर्थिक व राजनीतिक ताकत का चेहरा है, वहीं प्रशांत व अटलांटिक महासागर में फैले ये 18,617 द्वीप अमेरिका की उस जुझारू आबादी का घर भी हैं जो प्रकृति की मुश्किल परिस्थितियों के बीच भी अपनी अलग जीवनशैली और पहचान बनाए हुए हैं।

सबसे रोचक बात है कि 18 हजार द्वीपों का अमेरिका का ये आंकड़ा सुनने में विशाल भले ही लगता है, लेकिन अगर दुनिया के नक्शे को देखा जाए तो अमेरिका से भी ज्यादा द्वीपों वाले देश इस धरती पर हैं। द्वीपों की संख्या के मामले में नॉर्डिक देश पूरी दुनिया में सबसे आगे हैं। जैसे स्वीडन के पास दुनिया में सबसे ज्लाख 39 हजार द्वीप हैं।

गंगा नहीं है दुनिया की सबसे बड़ी नदी



भारतीय संस्कृति में नदियों का काफी महत्व रहा है। वैसे देखा जाए तो हर सभ्यता के विकास का मार्ग नदियों ने ही प्रशस्त किया है। दुनिया की बड़ी नदियों में से एक है गंगा नदी, जिसे भारत में बहुत ही पवित्र और आस्था के प्रतीक के तौर पर देखा जाता है, लेकिन दोस्तों क्या तुम जानते हो कि गंगा नदी भले ही देश की सबसे बड़ी नदी हो, लेकिन लंबाई के आधार पर दुनिया की सबसे बड़ी नदियों में इसका नाम नहीं आता है। तुम्हें ये जानकर भले ही आश्चर्य होगा, लेकिन सच्चाई यही है।

नील नदी

दुनिया की सबसे लंबी नदी नॉर्थ-ईस्ट अफ्रीका में बहने वाली नील नदी है। नील नदी की लंबाई 6650 किलोमीटर यानी 4132 मील है। नील नदी अफ्रीका की सबसे बड़ी झील विक्टोरिया से निकलकर विस्तृत सहारा मरुस्थल के पूर्वी भाग को पार करती हुई उत्तर में भूमध्यसागर में उतर जाती है। यह भूमध्य रेखा के निकट भारी वर्षा वाले क्षेत्रों से निकलकर दक्षिण से उत्तर क्रमशः युगांडा, इथियोपिया, सूडान एवं मिस्र से होकर बहते हुए काफी लंबी घाटी बनाती है।

अमेजन नदी



दक्षिणी अमेरिका में बहने वाली अमेजन नदी दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी नदी है। इसकी लंबाई 6400 किलोमीटर यानी 4000 मील है। आयतन (लंबाई-चौड़ाई) के हिसाब से यह विश्व की सबसे बड़ी नदी है, लेकिन अगर सिर्फ लंबाई के हिसाब से बात करें तो दूसरी। यह ब्राजील, पेरू, बोलविया, कोलंबिया तथा इक्वाडोर से होकर बहती है। यह पेरू के एंडीज पर्वतमाला से निकलकर पूर्व की ओर बहती है और अटलांटिक महासागर में मिलती है। इस नदी पर एक भी पुल नहीं है।

यांग्त्जी नदी

यांग्त्जी नदी एशिया की सबसे बड़ी तथा दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी नदी है, जो चीन में बहती है। इसकी लंबाई 6300 किलोमीटर यानी 3917 मील है। चीन ने सबसे घनी आबादी वाले शहर वुहान के दो हिस्सों को आपस में जोड़ने के लिए यांग्त्जी नदी के आर-पार मेट्रो रेल लाइन का निर्माण भी कर दिया है। इस रेल लाइन की शुरुआत दो साल पहले हुई थी। यांग्त्जी नदी को चीन में चेन जियांग के नाम से भी जाना जाता है। यह नदी किंघाई तिब्बत पठार से निकलकर दक्षिण-पश्चिम चीन, मध्य चीन तथा पूर्वी चीन से होते हुए शंघाई में पूर्वी चीन के समुद्री हिस्से में समाहित हो जाती है।



मिसिसिपी-मिसौरी



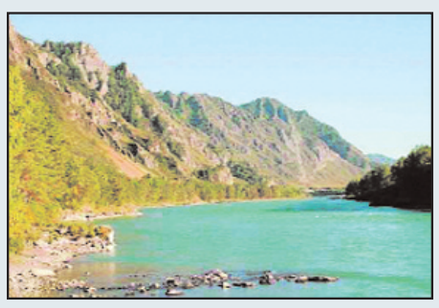
मिसिससिपी-मिसौरी नदी लंबाई के आधार पर अमेरिका की सबसे बड़ी तथा दुनिया की चौथी सबसे बड़ी नदी है। इसकी लंबाई 6275 किलोमीटर (3902 माइल) है। मिसिसिपी नदी के स्रोत को आम रूप से इटास्का झील को माना जाता है, लेकिन मिसिसिपी का सबसे दूरस्थ स्रोत जेफरसन नदी है। जेफरसन नदी मिसौरी नदी की सहायक नदी है, जैसे मिसौरी नदी मिसिसिपी की सहायक है। जब मिसिसिपी की लंबाई को इस मुहाने से लेकर सर्वाधिक दूर के इस स्रोत तक मापा जाता है तो इसे मिसिसिपी-मिसौरी-जेफरसन कहा जाता है।



येनिसे-अंगारा-सेलेंगा

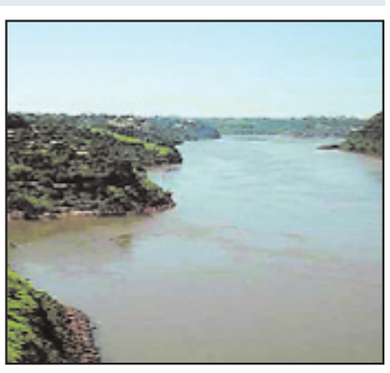
येनिसे-अंगारा-सेलेंगा नदी दुनिया की पांचवीं सबसे लंबी नदी है, जो रूस में बहती है। इस नदी की लंबाई 5539 किलोमीटर यानी 3445 मील है। ये तीन नदियां हैं, जो एक-दूसरे से जुड़ती चली जाती हैं। इस नदी का उद्गम मंगोलिया के मध्य भाग से होता है और रूस के कई क्षेत्रों से बहते हुए ये नदी आर्कटिक महासागर में मिल जाती है।

ओब-इरटिस नदी



ओब-इरटिस नदी या ओबी नदी उत्तरी एशिया के पश्चिमी साइबेरिया क्षेत्र की एक नदी है और दुनिया की सातवीं सबसे लंबी नदी है। येनिसेय नदी और लेना नदी के साथ यह आर्कटिक सागर में बहने वाली तीसरी महान साइबेरियाई नदी मानी जाती है। ओब नदी की शुरुआत रूस के अल्ताई क्राय प्रदेश के बियस्क शहर से 26 किमी दक्षिण-पश्चिम में बिया नदी और कतुन नदी के संगम से होती है। इस नदी की लंबाई 5410 किलोमीटर (3364 मील) है।

पराना नदी



पराना नदी दक्षिण मध्य अमेरिका में बहने वाली एक नदी है। यह ब्राजील, पैराग्वे और अर्जेंटीना में बहते हुए 4,880 किलोमीटर (3,030 मील) का सफ़र तय करती है। दक्षिण अमेरिका में बहने वाली नदियों में अमेजन नदी के बाद यह दूसरी सबसे बड़ी नदी है। पराना नदी के नाम का अर्थ है समुद्र जैसी विशाल। पहले यह पैराग्वे नदी में मिलती है और फिर और नीचे गिरते हुए उरुग्वे नदी में मिल जाती है और रिओ दे ला प्लाता नदी के मुहाने का निर्माण करते हुए अटलांटिक महासागर में मिल जाती है।

कम हो रहे हैं बाघ

टाइगर अर्थात् बाघ को देखकर तुम कैसे भयभीत हो जाते हो। इसकी बड़ी-बड़ी आंखें और दहाड़ सुनकर तुम्हारे अंदर का डर बाहर चला आता है और तुम छुप जाते हो। लेकिन तुम्हें पता है दूसरों के अंदर भय पैदा करने वाला यही टाइगर आज अपने जीवन को लेकर भयभीत है। इनके अस्तित्व पर लगातार खतरा मंडरा रहा है और यह प्रजाति विलुप्त होने के कगार पर पहुंच गई है। एक अनुमान के मुताबिक पूरे विश्व में मात्र 3,200 के करीब ही टाइगर बचे हैं। यह संख्या किसी भी प्रजाति के लिए काफी कम है। पिछले सौ साल में धरती से टाइगर की लगभग 97 फीसदी आबादी खत्म हो चुकी है। इनकी कई प्रजातियां तो बिलकुल ही विलुप्त हो गई हैं। पर्यावरणविदों का मानना है कि अगर इनकी संख्या घटने की यही रफ्तार रही तो आने वाले एक-दो दशक में बाघ का नामो-निशान इस धरती से मिट जाएगा। इसलिए इनके संरक्षण के लिए कई देश मुहिम भी चला रहे हैं।



ब्रह्मपुत्र (यलो) नदी

ब्रह्मपुत्र (यलो) नदी मध्य और दक्षिण एशिया की प्रमुख नदी है, जो दुनिया की छठवीं सबसे लंबी नदी है। इसकी लंबाई 5464 किलोमीटर यानी 3398 मील है। यह चीन, तिब्बत, भारत तथा बांग्लादेश से होकर बहती है। ब्रह्मपुत्र का उद्गम तिब्बत के दक्षिण में मानसरोवर के निकट चेमायुंग दुंग नामक हिमवाह से हुआ है। इसका नाम चीन में या-लू-त्सांग-पू चियांग (यलो) तिब्बत में सांपो, अरुणाचल में डिहं तथा असम में ब्रह्मपुत्र है। यह नदी बांग्लादेश की सीमा में जमुना के नाम से दक्षिण में बहती हुई गंगा की मूल शाखा पद्मा के साथ मिलकर बंगाल की खाड़ी में जाकर मिलती है। यह दुनिया की सबसे गहरी नदी है।





कांगो नदी

कांगो नदी को जेयरे नदी के नाम से भी जाना जाता है। यह अफ्रीका की एक प्रमुख नदी है। 4700 किलोमीटर (2922 मील) की दूरी तय करने वाली यह नदी पश्चिम-मध्य अफ्रीका की सबसे विशाल और नील नदी के बाद अफ्रीका की सबसे लंबी नदी है। नदी अपने मुहाने पर सात मील चौड़ा रूप धारण कर समुद्र में गिरती है। यह समुद्र में प्रति सेकंड 20 लाख घन फुट कीचड़ युक्त पानी गिराती है, जो संपूर्ण मिसिसिपी के औसत का चौगुना है। इसका कीचड़ युक्त पानी समुद्री किनारे से 100 मील दूर तक तथा 4,000 फुट की गहराई तक समुद्री जल से अलग रूप में स्पष्ट दिखाई देता है।

अमूर-अर्गुन नदी

अमूर नदी दुनिया की 9वीं सबसे लंबी नदी है। यह नदी रूस के सूदूर पूर्वी क्षेत्रों और पूर्वोत्तरी चीन के दरमियान अंतरराष्ट्रीय सीमा भी है। रूस और चीन के बीच जमीन के लिए जो झड़पें 17वीं शताब्दी में आरंभ हुईं और 20वीं शताब्दी तक चलीं, उनमें अमूर नदी की अहम भूमिका थी। अमूर नदी पश्चिमी मंचूरिया की पहाड़ियों में शिल्का नदी और अर्गुन नदी के मिलाप से 303 मीटर की ऊंचाई पर जन्म लेती है। इसकी लंबाई 4444 किलोमीटर यानी 2763 मील है।



न्यूज इन शॉर्ट

गोवर्धन पूजा पर पशुओं को सजाकर आरती उतारी-कोंडागांव में गौमाता को खिचड़ी का भोग लगाया, पशुओं के साथ बैठकर किया सामूहिक भोजन

कोंडागांव। कोंडागांव में सोमवार, 9 नवंबर को गोवर्धन पूजा पर लोगों ने गौमाता और दूसरे पशुओं की पूजा की। पशुओं को नहलाकर सजाया गया, आरती उतारी और खिचड़ी का भोग लगाया।कोंडागांव शहर के महात्मा गांधी वार्ड और आसपास के गांवों में सुबह से घरों और गौशालाओं में पूजा की तैयारी हुई। लोगों ने गौमाता के माथे पर तिलक लगाया और फूल-माला पहनाई।पूजा के बाद लोगों ने परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। खिचड़ी का भोग लगाने के बाद पशुओं के साथ बैठकर सामूहिक भोजन भी किया।गोवर्धन पूजा पर पशुधन के प्रति सम्मान और कृतज्ञता जताने की परंपरा निभाई जाती है। ग्रामीण जीवन में गाय-बैल खेती-किसानी, दूध और आजीविका का हिस्सा हैं।

कांग्रेस विधायक यशोदा वर्मा की कार और बाइक के बीच टक्कर दो गंभीर रूप से घायल

रायपुर/दुर्ग। दुर्ग जिले की खैरागढ़ विधानसभा से कांग्रेस विधायक यशोदा वर्मा की कार और बाइक के बीच हुई टक्कर में बाइक सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए दुर्ग अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस ने दुर्घटना की पुष्टि करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।एसडीओपी धमधा बीएम तिग्गा ने दुर्घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि यह दुर्घटना दुर्ग जिले के बोरी थाना क्षेत्र के मिलन चौक के पास सोमवार दोपहर बाद हुई। विधायक यशोदा वर्मा की कार (सफेद टाटा सफारी) खैरागढ़ की ओर जा रही थी, तभी लिटिया की तरफ से बोरी आ रही बाइक से उसकी टक्कर हो गई।बाइक पर शिव वर्मा और हेमंत पटेल सवार थे। टक्कर में दोनों को गंभीर चोटें आईं।हादसे में विधायक की कार के अगले हिस्से को भारी नुकसान पहुंचा है।पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त मोटरसाइकिल और विधायक की क्षतिग्रस्त सफेद सफारी कार को अपने कब्जे में ले लिया है, ताकि उनका तकनीकी मुआयना कराया जा सके। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि विधायक बिना पुलिस या 112 को सूचना दिए मौके से चली गईं। पुलिस घटना के घटनाक्रम की बारीकी से तफ्तीश कर रही है।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शुरुआती जांच और घायलों/गवाहों के बयानों के आधार पर हादसे के लिए जिम्मेदार चालक के खिलाफ वैधानिक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।हादसे के बाद दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने बेहतर उपचार के लिए दुर्ग अस्पताल रेफर कर दिया। फिलहाल दोनों का उपचार जारी है। दोनों कहां के रहने वाले हैं, इसकी जानकारी पुलिस जुटा रही है।

हादसे के बाद विधायक यशोदा वर्मा अपनी कार को घटनास्थल पर छोड़कर दूसरी बाइक से वहां से रवाना हो गईं। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

उरंदाबेड़ा पुलिस ने ग्रामीणों के साथ मनाई दिवाली, मंदिर में दीप जलाकर की आतिशबाजी

कोंडागांव। जिले के थाना उरंदाबेड़ा के संवेदनशील क्षेत्र कसई फरसगांव में पुलिस के जवानों ने बीती रात ग्रामीणों और बच्चों के साथ दीपावली मनाई। गांव की माता गुड़ी स्थित शीतला मंदिर में दीपोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान दीप जलाए गए और आतिशबाजी भी की गई।कार्यक्रम में गांव के सरपंच, गायता, पटेल, पुजारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और बच्चे शामिल हुए। पुलिस जवानों ने ग्रामीणों के साथ समय बिताया और बच्चों के बीच दीपावली की खुशियां साझा कीं। पुलिस और ग्रामीणों के बीच आत्मीयता और विश्वास का यह दृश्य क्षेत्र में बदलते माहौल का साक्षी बना।आमतौर पर संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की भूमिका सुरक्षा और कानून व्यवस्था तक सीमित रहती है। ऐसे आयोजन पुलिस और आम नागरिकों के बीच भावनात्मक जुड़ाव बढ़ाने में मदद करते हैं।

छत्तीसगढ़ में मौसम ड्राई, सुबह-रात में बढ़ी ठंड-अंबिकापुर सबसे ठंडा, यहां 11 डिग्री पहुंचा रात का पारा, दुर्ग सबसे गर्म

9 नवंबर को अंबिकापुर में सबसे कम न्यूनतम तापमान 11.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ में ठंड का असर धीरे-धीरे बढ़ने लगा है। खासकर रात के तापमान में गिरावट के कारण सुबह और देर रात हल्की ठंड महसूस हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में फिलहाल मौसम शुष्क बना हुआ है।9 नवंबर को अंबिकापुर में सबसे कम न्यूनतम तापमान 11.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, दुर्ग 31.8 डिग्री अधिकतम तापमान के साथ प्रदेश में सबसे गर्म रहा।।यपुर में अधिकतम तापमान 30.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान सामान्य से 0.3 डिग्री और न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.6 डिग्री कम रहा।मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, रायपुर में दिन और रात



दोनों का तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया गया है।

अंबिकापुर में रात का तापमान 11.4 डिग्री

प्रदेश के दूसरे शहरों में भी न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। अंबिकापुर में रात का तापमान 11.4 डिग्री रहा, जो सामान्य से 2.5 डिग्री कम है। जगदलपुर में न्यूनतम तापमान 14.1 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.6 डिग्री कम रहा।दुर्ग में रात का तापमान 15 डिग्री रहा, जो सामान्य से 2.7 डिग्री कम दर्ज किया गया। माना एयरपोर्ट में न्यूनतम तापमान 15.9 डिग्री और बिलासपुर में 16.6 डिग्री रहा।दिन के तापमान की बात करें तो दुर्ग में सबसे ज्यादा 31.8 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। राजनांदगांव में 30.5 डिग्री, जगदलपुर में 30.4 डिग्री, माना एयरपोर्ट में 29.9 डिग्री और बिलासपुर में 29.2 डिग्री अधिकतम तापमान रहा।

अगले दो दिन भी मौसम शुष्क रहने का अनुमान

मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश में अगले दिन मौसम शुष्क रहने की संभावना है। अगले दो दिनों तक भी मौसम में किसी बड़े बदलाव के आसार नहीं हैं।प्रदेश में कहीं भी बारिश का अनुमान नहीं जताया गया है। मौसम विभाग ने किसी भी जिले के लिए चेतावनी जारी नहीं की है।

रायपुर में आसमान साफ रहेगा

रायपुर के लिए जारी पूर्वानुमान के अनुसार, आज मौसम साफ रहने की संभावना है। फिलहाल बारिश के आसार नहीं हैं।मौसम विभाग के मुताबिक, 9 नवंबर को रायपुर में बारिश नहीं हुई। सुबह 8:30 बजे नमी 67त्न और शाम 5:30 बजे 48त्न रही।

आत्मीयता से दीपावली की खुशियां साझा कीं

नक्सल मुक्त वातावरण में ग्रामीणों ने पुलिस के साथ मिलकर मनाई दीपावली

एक सत बुलेटिन ➤ कोंडागांव

कोंडागांव जिले के पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा के आदेशानुसार कोंडागांव पुलिस द्वारा विभिन्न थाना के अन्तर्गत नक्सल मुक्त गांवो में ग्रामीणों के साथ दिवाली मनाई गई। जिले के पूर्व नक्सल प्रभावित क्षेत्र में पुलिस अधिकारियों ने दूरस्थ अंदरूनी गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों के साथ आत्मीयता से दीपावली की खुशियां साझा कीं। गांव के गायता, पुजारी, सिरहा, मांझी एवं वरिष्ठ नागरिकों के साथ गांव के देवालयों में देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की गई।यह आयोजन नक्सल मुक्त बस्तर में बदलते वातावरण, शांति, सुरक्षा और विकास की नई तस्वीर प्रस्तुत करता है। कोंडागांव पुलिस का संकल्प है कि हर गांव में विकास और शांति का उजाला पहुंचे और हर परिवार के जीवन में खुशहाली का दीप जले। छत्तीसगढ़ और बस्तर में नक्सलवाद के खिलाफ संघर्ष कई दषकों तक चलीं। इस दौरान बस्तर में



नक्सलवाद के खिलाफ संघर्ष कई दशकों तक चला। इस दौरान पुलिस, सुरक्षा बलों, प्रशासन और स्थानीय जनता ने मिलकर कठिन परिस्थितियों में मुकाबला किया। इस लड़ाई में अनेक जवानों और आम नागरिकों ने अपनी जान गंवाई। कई गांवों में भय, हिंसा और विकास की कमी का सामना करना पड़ा। लगातार सुरक्षा अभियान, आत्मसमर्पण, पुनर्वास, सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार से नक्सलवाद कमजोर हुआ। करीब 40 वर्षों से अधिक के लंबे संघर्ष के बाद 31 मार्च 2026 को बस्तर को नक्सलमुक्त घोषित किया गया। यह संघर्ष केवल बंदूकों की लड़ाई नहीं थी, बल्कि शांति, विश्वास और विकास की भी लड़ाई थी।उक्त कार्यक्रम में उप पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र पुजारी के नेतृत्व में थाना पुंगारपाल में ग्राम मटवाल में ग्रामीणों के साथ मिलकर दिवाली मनायी गई जिसमे बड़ी संख्या में पुरूष, महिलाएँ और बच्चे शामिल हुए। जिन्हें उपहार स्वरूप मिठाई और फटाके वितरित किये गए। बंदूकों की गूंज अब इतिहास बने, दीपों की रोशनी से बस्तर का भविष्य उज्ज्वल बने।

मेलजोल अपने आप में खास संदेश देता नजर आया।

करेंगुट्टा की इन पहाड़ियां छत्तीसगढ़ और तेलंगाना की सीमा पर फैला यह इलाका लंबे समय तक नक्सलियों का सुरक्षित ठिकाना रहा। दुर्गम पहाड़ियां, घने जंगल, कठिन रास्ते और सीमित पहुंच इसे नक्सलियों के लिए अनुकूल बनाते थे। सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, यहां कभी नक्सली संगठनों के बड़े कमांडरों के साथ करीब 450 से 600 सशस्त्र नक्सलियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना मिली थी। इस इलाके को नक्सली संगठन के बड़े सैन्य और रणनीतिक केंद्र के रूप में भी इस्तेमाल करते थे।करेंगुट्टा को नक्सलियों के प्रभाव से मुक्त कराने के लिए 21 अप्रैल से 11 मई 2025 तक सुरक्षाबलों ने बड़ा अभियान चलाया था।

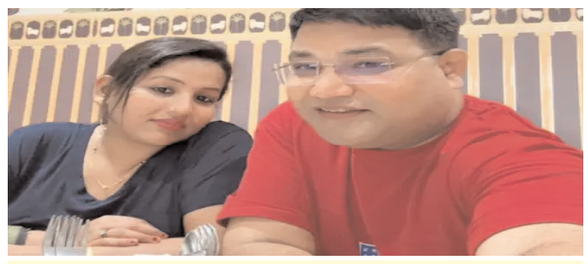
कारोबारी दीपक टंडन और पत्नी पर FIR

आर्ट ऑफ लिविंग की छत्तीसगढ़ प्रमुख सरिता बाजपेयी ने दर्ज की शिकायत

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

रायपुर के होटल कारोबारी दीपक टंडन और उनकी पत्नी पर रायपुर में एफआईआर दर्ज की गई है। मामला होटल की संपत्ति पर कब्जे और सरकारी सील तोड़ने से जुड़ा है।

आर्ट ऑफ लिविंग की छत्तीसगढ़ प्रमुख सरिता बाजपेयी की शिकायत पर तेलीबांधा पुलिस ने केस दर्ज किया। शिकायत में दीपक और बरखा टंडन पर संपत्ति में जबरन प्रवेश करने, ताला तोड़ने, अश्लील हरकत करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की आठ धाराओं में मामला दर्ज किया है।



2021 में होटल चलाने के लिए लीज पर दी थी संपत्ति

सरिता बाजपेयी ने अपनी संपत्ति वर्ष 2021 में होटल और बैंक्वेट हॉल चलाने के लिए लीज पर दी थी। होटल का संचालन होटल बेलाकासा श्री के नाम से किया जा रहा था। लीज की शुरुआती अवधि 2024 में खत्म हो गई थी, जिसे आपसी सहमति से दो बार 11-11 महीने के लिए बढ़ाया गया। इसकी अंतिम अवधि 7 अप्रैल 2026 को समाप्त हो गई थी।शिकायत में कहा गया है कि किराया भी करीब एक साल से नियमित रूप से नहीं दिया जा रहा था। प्रॉपर्टी टैक्स जमा नहीं होने के कारण नगर निगम ने 18 अगस्त 2026 को होटल को सील कर दिया था।सरिता बाजपेयी का आरोप है कि 23 अगस्त को जब वे संपत्ति का कब्जा लेने पहुंचीं, तब बरखा टंडन, दीपक टंडन और उनके कर्मचारी नगर निगम की सील तोड़कर अंदर मौजूद थे। इसकी शिकायत नगर निगम में की गई, जिसके बाद दोबारा सील की गई।

कभी नक्सलियों का अभेद्य गढ़ था करेंगुट्टा, अब दीपों की रोशनी में गूंजे गीत-संगीत

एक सत बुलेटिन ➤ बीजापुर

जिला मुख्यालय से करीब 82 किलोमीटर दूर स्थित गुंजेपर्ती में सीआरपीएफ की सी/229 बटालियन के जवानों ने ग्रामीणों को दीपावली की खुशियों में सहभागी बनाया।कभी नक्सलियों के सबसे सुरक्षित ठिकानों और बड़े ऑपरेशनल केंद्रों में शुमार करेंगुट्टा की पहाड़ियों में इस बार दीपावली की रात एक अलग ही तस्वीर दिखाई दी। जिन दुर्गम पहाड़ियों में कभी माओवादी गतिविधियों, बारूदी सुरंगों और सुरक्षाबलों के बड़े अभियानों की चर्चा होती थी, वहां इस बार दीपों की रोशनी, बच्चों की खिलखिलाहट, गीत-संगीत और पारंपरिक नृत्य की गूंज सुनाई दी। गुंजेपर्ती गांव में सीआरपीएफ जवानों ने ग्रामीणों के साथ दीपावली मनाकर विश्वास, भाईचारे और बदलते बस्तर का संदेश दिया। सी/229 बटालियन के कंपनी कमांडर निरीक्षक अरूपानंद नायक के नेतृत्व में आयोजित दीपावली कार्यक्रम इसी व्यापक बदलाव की एक झलक बना। उन्होंने कहा कि दीपावली अंधकार से प्रकाश, निराशा से आशा और दूरियों से अपनत्व की ओर बढ़ने का संदेश देती है। जवानों ने आस-पास के पारा और गांवों के करीब 60 बच्चों को मिठाई, प्रसाद, वस्त्र और पटाखे वितरित किए। शाम होते ही जवानों और ग्रामीणों ने मिलकर दीप जलाए। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम में गीत-संगीत और पारंपरिक नृत्य की प्रस्तुतियां हुईं। कार्यक्रम का सबसे खास पहलू यह रहा कि जवान और ग्रामीण एक साथ बैठकर रात्रि भोज में शामिल हुए। दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में सुरक्षाबलों और स्थानीय ग्रामीणों के बीच इस तरह का आत्मीय

बिलासपुर में अमूल-गोवर्धन समेत 9 संस्थानों के खाद्य सैंपल फेल



पनीर-दही-घी और पोहा जांच में स्तरहीन; दिवाली की मिठाइयों की रिपोर्ट 1 महीने बाद आएगी

एक सत बुलेटिन ➤ बिलासपुर

बिलासपुर में दीपावली पर मिठाइयों की मांग बढ़ने के बीच खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर चिंताजनक रिपोर्ट सामने आई है। करीब एक महीने पहले जिले के 9 संस्थानों से लिए गए खाद्य पदार्थों के सभी नमूने प्रयोगशाला जांच में फेल हो गए हैं। इनमें अमूल, गोवर्धन और वचन ब्रांड के घी के सैंपल भी शामिल हैं।इसके अलावा पनीर, दही, अंडा करी, चना और पोहा के नमूने भी निर्धारित गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरे। सभी नमूनों की जांच रायपुर स्थित राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला में कराई गई थी। रिपोर्ट आने के बाद अब खाद्य विभाग संबंधित संस्थानों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करेगा।

अलीमेंटो कैफे, सेलेस्टी और अलाकार्ट के पनीर सैंपल फेल

खाद्य-औषधि प्रशासन विभाग के अनुसार नेशनल डेयरी, अलीमेंटो कैफे, अलाकार्ट, अमृतुल्य फूड एंड बेवरेजेस और सेलेस्टी रेस्टोरेंट से पनीर के नमूने लेकर जांच के लिए रायपुर स्थित लैब भेजे गए थे। प्रदेश में एनालॉग पनीर पर प्रतिबंध के बाद ये नमूने लिए गए थे। जांच में सभी पनीर के नमूने निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतरे।

अलाकार्ट की दही भी जांच में स्तरहीन मिली

जांच के दौरान अलाकार्ट से दही का नमूना लिया गया था, जो निर्धारित मानकों पर खरा नहीं उतरा। गरिमा फैमिली ढाबा से लिए गए अंडा करी के नमूने भी जांच में फेल पाए गए। वहीं, रिलायंस रिटेल भाटापारा से लिए गए चना और लाल किला पोहा के नमूने भी मानकों पर खरे नहीं उतरे।इसके अलावा शौर्य सुपर मार्ट से लिए गए अमूल और गोवर्धन घी के नमूने फेल हो गए। अपना मार्ट देवरीखुर्द से लिए गए वचन ब्रांड के घी का नमूना भी जांच में असफल रहा।

दिवाली पर खोवा और मिठाइयों के सैंपल लिए

दीपावली पर्व के दौरान खाद्य विभाग ने जिले में अभियान चलाकर मिठाई दुकानों का निरीक्षण किया और खाद्य पदार्थों

हाथी ने पिछले छह महीनों में लगातार क्षेत्र बदलते हुए अब तक कुल 16 लोगों की जान ले ली

आतंक का पर्याय बने दंतैल हाथी ने दीपावली की रात दो और लोगों की जान ली

एक सत बुलेटिन ➤ अंबिकापुर/रायपुर

सरगुजा, सूरजपुर और बलरामपुर जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों में पिछले कई महीनों से अकेले विचरण कर रहे आतंक का पर्याय बने कबरा नामक दंतैल हाथी ने दीपावली की रात दो और लोगों की जान ले ली। इस हाथी ने सूरजपुर जिले के सोनगरा और बतरा क्षेत्र में जनहानि की है।इस अकेले लोनर हाथी ने पिछले छह महीनों में लगातार क्षेत्र बदलते हुए अब तक कुल 16 लोगों की जान ले ली है।यह घटना रविवार और सोमवार की बीच की रात (8-9 नवंबर 2026) की है। सोमवार सुबह इस घटना की पूरी जानकारी और आधिकारिक पुष्टि सामने आई है।इस घटना के बाद सूरजपुर के वन मंडलाधिकारी विपुल अग्रवाल ने हाथी के हमले से दो लोगों की मौत की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि इस आक्रामक हाथी को नियंत्रित करने के लिए शीघ्र ही ट्रेंकुलाइज करने की प्रक्रिया



शुरू की जाएगी, जिसके प्रयास किए जा रहे हैं।उन्होंने बताया कि यह पहली बार है जब यह हाथी सूरजपुर जिले के इस नए क्षेत्र में प्रवेश किया है। अंबिकापुर-बनारस राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित सोनगरा से लगे श्यामनगर में एक व्यक्ति को कुचलने के बाद यह हाथी लटोरी-बतरा क्षेत्र में प्रवेश कर गया। बतरा से लगे राई के पास इसने दूसरे व्यक्ति को कुचल कर मार डाला।दीपावली की रात जब लोग त्योहार की खुशियां मना रहे थे, तभी यह हाथी दो परिवारों के लिए मातम का कारण बन गया। स्थानीय स्तर पर कबरा के नाम से प्रचलित इस अकेले हाथी ने अभी तक 16 लोगों की जान ले ली है। पिछले सप्ताह ही इस हाथी ने सूरजपुर जिले के कल्याणपुर क्षेत्र में दो लोगों को कुचलकर मार डाला था।हाथी के हमले से दो लोगों की मौत के बाद प्रभावित क्षेत्र में ग्रामीणों में शोक के साथ आक्रोश भी है।उनका आरोप है कि दीपावली के दिन इस हाथी की निगरानी ठीक से नहीं हो रही थी। लोग इसकी आवाजाही को लेकर अनजान थे, इसी कारण जनहानि की घटना हुई। ग्रामीणों ने मांग की है कि हाथी की पल-पल की लोकेशन की जानकारी मुनादी और व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से दी जाए और इसे जल्द से जल्द नियंत्रित किया जाए।

सोनगरा (श्यामनगर) और लटोरी-बतरा के बीच हाईवे के आसपास विचरण करने के कारण वन विभाग ने इस पूरे रूट पर चलने वाले राहगीरों और वाहन चालकों को विशेष सावधानी बरतने को कहा है। हाथी की अप्रत्याशित मूवमेंट को देखते हुए वन विभाग ने बगड़ा-बंशीपुर मुख्य मार्ग पर बैरियर (बैरिकेडिंग) लगाकर आम आवाजाही को पूरी तरह रोक दिया है ताकि कोई इसकी चपेट में न आए। वर्तमान में धान कटाई और खेतों की रखवाली का समय है, वन विभाग ने प्रभावित गांवों में कड़ाई से मुनादी कराई है कि कोई भी ग्रामीण रात के समय खेतों में बने मचानों पर न सोए और न ही अकेले रखवाली के लिए खेतों की तरफ जाए।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक मुद्रक संपादक अभिषेक शर्मा द्वारा शॉप नंबर 33, एक सत बुलेटिन कार्यालय, संजय चौक , गौरेला जिला गौरेला पेंड्रा मरवाही छत्तीसगढ़ पिन कोड 495117 से प्रकाशित एवं असमां पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, जयस्तम्भ चौक रायपुर छत्तीसगढ़ -492001 से मुद्रित। समूह संपादक - महेश कुमार तिवारी , स्थानीय उप संपादक / सिटी चीफ़ - भूपेंद्र सिंह , प्रशांत डेनियल